معهد السنة
As-Sunnah College

هيا نتعلَّم اللُّغة العربيَّة
(المستوى الأوَّل)

चलो अरबी भाषा सीखें
(स्तर 1)

تأليف ومراجعة:

هيثم بن محمَّد سرحان

المدرِّس بمعهد الحرم بالمسجد النَّبويِّ -سابقًا-

والمشرف على معهد السُّنَّة

alsarhaan.com

غفر الله له ولوالديه ولمن أعانه على إخراج هذا الكتاب

الطَّبعة الأولى

الرَّجاء التَّواصل على:

alsarhaan.com

فسح وزارة الإعلام

بسم الله الرحمن الرحيم

ملخَّص حروف الهجاء – بخطِّ النَّسخ

عَدَدُ الحُرُوفِ «28» حَرْفًا، وَكُلُّ حَرْفٍ لَهُ رَسْمٌ وَاسْمٌ وَصَوْتٌ، وَبَيَانُ ذَلِكَ كَمَا يَلِي:

अरबी भाषा में 28 अक्षर हैं। प्रत्येक अक्षर का अपना एक चित्र, एक नाम और एक ध्वनि होती है। निम्न में इसका विवरण है:

صوته	اسمه		رسم الحرف
	हिंदी	عربي	
ا*	अलिफ़	أَلِفٌ	ا
بَ	बा	بَاءٌ	ب
تَ	ता	تَاءٌ	ت
ثَ	स़ा	ثَاءٌ	ث
جَ	जीम	جِيمٌ	ج
حَ	ह़ा	حَاءٌ	ح
خَ	ख़ा	خَاءٌ	خ
دَ	दाल	دَالٌ	د
ذَ	ज़ाल	ذَالٌ	ذ
رَ	रा	رَاءٌ	ر
زَ	ज़ा	زَايٌ	ز
سَ	सीन	سِينٌ	س
شَ	शीन	شِينٌ	ش

صوته	اسمه		رسم الحرف
	हिंदी	عربي	
ضَ	ज़ाद	ضَادٌ	ض
طَ	त़ा	طَاءٌ	ط
ظَ	ज़ा	ظَاءٌ	ظ
عَ	ऐन	عَيْنٌ	ع
غَ	ग़ैन	غَيْنٌ	غ
فَ	फ़ा	فَاءٌ	ف
قَ	क़ाफ़	قَافٌ	ق
كَ	काफ़	كَافٌ	ك
لَ	लाम	لاَمٌ	ل
مَ	मीम	مِيمٌ	م
نَ	नून	نُونٌ	ن
هَ	हा	هَاءٌ	هـ
وَ	वाव	وَاوٌ	و

ص	صَادٌ	साद	صَ

ي	يَـاءٌ	या	يَ

تَـخْـتَـلِفُ كِـتَـابَـةُ الـحَـرْفِ فِي اللُّـغَـةِ العَـرَبِـيَّـةِ بِـحَـسَـبِ مَـوْقِـعِـهِ مِـنَ الـكَـلِـمَـةِ:

जिस प्रकार से एक अरबी शब्द लिखा जाता है वह शब्द के भीतर उसकी स्थिति के अनुसार रूप बदलता है:

أوَّل الكلمة आरंभ में	وسط الكلمة मध्य में	آخر الكلمة متَّصلاً अंत में जुड़ने के बाद	آخر الكلمة منفصلاً अंत में बिना जुड़े
ا	ـا	ـا	ا
بـ	ـبـ	ـب	ب
تـ	ـتـ	ـت / ـة	ت / ة
ثـ	ـثـ	ـث	ث
جـ	ـجـ	ـج	ج
حـ	ـحـ	ـح	ح
خـ	ـخـ	ـخ	خ
د	ـد	ـد	د
ذ	ـذ	ـذ	ذ
ر	ـر	ـر	ر
ز	ـز	ـز	ز
سـ	ـسـ	ـس	س
شـ	ـشـ	ـش	ش

أوَّل الكلمة आरंभ में	وسط الكلمة मध्य में	آخر الكلمة متَّصلاً अंत में जुड़ने के बाद	آخر الكلمة منفصلاً अंत में बिना जुड़े
ضـ	ـضـ	ـض	ض
طـ	ـطـ	ـط	ط
ظـ	ـظـ	ـظ	ظ
عـ	ـعـ	ـع	ع
غـ	ـغـ	ـغ	غ
فـ	ـفـ	ـف	ف
قـ	ـقـ	ـق	ق
كـ	ـكـ	ـك	ك
لـ	ـلـ	ـل	ل
مـ	ـمـ	ـم	م
نـ	ـنـ	ـن	ن
هـ	ـهـ	ـه	ه
و	ـو	ـو	و

ي	ـي	ـيـ	يـ

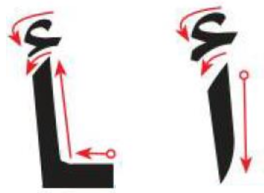
ص	ـص	ـصـ	صـ

آخر الكلمة منفصلاً अंत में बिना जुड़े	آخر الكلمة متّصلاً अंत में जुड़ने के बाद	وسط الكلمة मध्य में	أوَّل الكلمة आरंभ में
ا	ـا	ـا	ا

صوته	اسمه		رسم الحرف
	हिंदी	عربي	
ا*	अलिफ़	أَلِفٌ	ا

- كَـيْفَ أَرْسُمُ الْـحَـرْفَ:

अक्षर कैसे लिखा जाता है:



- أَسَـمِّـي الْـحَـرْفَ وَأَلَـوِّنُـهُ:

मैं अक्षर का नामकरण करता हूं और उसे रंगता हूँ:

أ ـ ـأ ـ أ ـ ـأ ـ أ

- أَلَاحِظُ الْـحَـرْفَ وَأَكْـتُـبُـهُ:

मैं अक्षर को ध्यान से देखता हूँ फिर उसे लिखता हूँ:

أ ـا أ ـأ أ ـأ أ ـا

أ ـا أ ـأ أ ـأ أ ـا

....

....

- أَصِـلُ مَـا فِي الْقَـائِـمَةِ الْعُـلْيَـا بِـمَا يُـنَـاسِـبُـهُ مِنَ الْـقَـائِـمَـةِ السُّـفْلَـى:

मैं नीचे की सूची से उपयुक्त वस्तु को चुन कर ऊपर की सूची से जोड़ता हूँ:

رَسْمُ الْحَرْفِ	اسْمُ الْحَرْفِ	صَوْتُ الْحَرْفِ	أَوَّلُ الْكَلِمَةِ	وَسَطُ الْكَلِمَةِ	آخِرُ الْكَلِمَةِ مُتَّصِلاً	آخِرُ الْكَلِمَةِ مُنْفَصِلاً
ـا	أ	أ	أ	ـا	أَلِفٌ	أ

- أَرْسُمُ دَائِرَةً حَوْلَ الْحَرْفِ (أ) ثُمَّ أَكْتُبُهُ:

मैं अक्षर (أ) के चारों ओर एक वृत्त बनाता हूँ और फिर उसे लिखता हूँ:

أَسَدٌ	فَأسٌ	أَرْضٌ	أَزْرَقُ	قَرَأَ
أَسَدٌ	فَأسٌ	أَرْضٌ	أَزْرَقُ	قَرَأَ
.....	.....	.....	.....	.....
.....	.....	.....	.....	.....

- أَقْرَأُ، ثُمَّ أُكْمِلُ الْحَرْفَ النَّاقِصَ:

मैं पढ़ता हूँ, तत्पश्चात अपूर्ण अक्षर को पूर्ण करता हूँ:

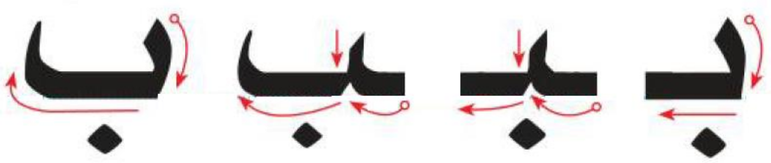
أَرْنَبُ	نَشَأَ	رَأسٌ	الأَسَدُ	كِتَابٌ
...رْنَبُ	نَشَـ...	رَ...سٌ	الـ...سَدُ	كِتَـ...بٌ

رسم الحرف	اسمه: عربي	اسمه: हिंदी	صوته
ب	بَـاءٌ	बा	بَ

أوَّل الكلمة आरंभ में	وسط الكلمة मध्य में	آخر الكلمة متَّصلاً अंत में जुड़ा हुआ	آخر الكلمة منفصلاً अंत में बिना जुड़ा हुआ
بـ	ـبـ	ـب	ب

- كَيْفَ أَرْسُمُ الْحَرْفَ:

मैं किस प्रकार से अक्षर लिखता हूँ:



- أُسَمِّي الْحَرْفَ وَأُلَوِّنُهُ:

मैं अक्षर का नामकरण करता हूँ तथा उसे रंगता हूँ:

بـ - ـبـ - ـب - ب

- أَلاَحِظُ الْـحَـرْفَ وَأَكْـتُـبُـهُ:

मैं अक्षर को ध्यान से देखता हूँ फिर उसे लिखता हूँ:

بـ	ـبـ	ـب	ب	بـ	ـبـ	ـب	ب
بـ	ـبـ	ـب	ب	بـ	ـبـ	ـب	ب
.....	.....	.....	.....	.....	.....	.....	.....
.....	.....	.....	.....	.....	.....	.....	.....

- أَصِـلُ مَـا فِي الْقَائِـمَةِ الْعُـلْيَا بِمَا يُـنَاسِبُـهُ مِنَ الْـقَـائِـمَـةِ السُّفْلَى:

मैं नीचे की सूची से उपयुक्त वस्तु को चुन कर ऊपर की सूची से जोड़ता हूँ:

رَسْمُ الْحَرْفِ	اسْمُ الْحَرْفِ	صَوْتُ الْحَرْفِ	أَوَّلُ الْكَلِمَةِ	وَسَطُ الْكَلِمَةِ	آخِرُ الْكَلِمَةِ مُتَّصِلاً	آخِرُ الْكَلِمَةِ مُنْفَصِلاً

بـ	ـبـ	ب	ب	بَـاءٌ	بَ	ب

- أَرْسُمُ دَائِـرَةً حَوْلَ الْـحَرْفِ (ب) ثُـمَّ أَكْـتُـبُ الْكَـلِمَةَ:

मैं अक्षर (ب) के चारों ओर एक वृत्त बनाता हूँ और फिर उसे लिखता हूँ:

بَـابٌ	أَبٌ	بَـابَـا	بَـابٌ	أَبٌ
بَـابٌ	أَبٌ	بَـابَـا	بَـابٌ	أَبٌ
.....	.....	.....	.....	.....
.....	.....	.....	.....	.....

- أَقْـرَأُ، ثُـمَّ أَكْـمِـلُ الْـحَـرْفَ النَّـاقِـصَ:

मैं पढ़ता हूँ, तत्पश्चात अपूर्ण अक्षर को पूर्ण करता हूँ:

بَـحْـرٌ   جَـبَـلٌ   كِـتَـابٌ   ذَهَـبَ   يَـبْـتَـعِـدُ

...حْرٌ   جَ...لٌ   كِـتَـا...   ذَهَـ...   يَـ...تَـعِدُ

آخر الكلمة منفصلاً अंत में बिना जुड़ा हुआ	آخر الكلمة متَّصلاً अंत में जुड़ा हुआ	وسط الكلمة मध्य में	أوَّل الكلمة आरंभ में
ت / ة	ـت / ـة	ـتـ	تـ

صوته	اسمه		رسم الحرف
	हिंदी	عربي	
تَ	ता	تَـاءٌ	ت

- كَـيْفَ أَرْسُمُ الْـحَـرْفَ:

मैं किस प्रकार से अक्षर लिखता हूँ:

تـ ـتـ ـت ت

- أَسَـمِّـي الْـحَـرْفَ وَأُلَـوِّنُـهُ:

मैं अक्षर का नामकरण करता हूँ तथा उसे रंगता हूँ:

تـ - ـتـ - ـت - ـة

- أُلاَحِظُ الْـحَـرْفَ وَأَكْـتُـبُـهُ:

मैं अक्षर को ध्यान से देखता हूँ फिर उसे लिखता हूँ:

تـ ـتـ ت ـة ت ة ـة ة

تـ ـتـ ت ـة ت ة ـة ة

....

....

- أَصِلُ مَـا فِي الْقَائِـمَةِ الْعُلْـيَا بِـمَا يُنَـاسِبُـهُ مِنَ الْـقَـائِـمَـةِ السُّفْلَـى:

मैं नीचे की सूची से उपयुक्त वस्तु को चुन कर ऊपर की सूची से जोड़ता हूँ:

رَسْمُ الْحَرْفِ	اسْمُ الْحَرْفِ	صَوْتُ الْحَرْفِ	أَوَّلُ الْكَلِمَةِ	وَسَطُ الْكَلِمَةِ	آخِرُ الْكَلِمَةِ مُتَّصِلاً	آخِرُ الْكَلِمَةِ مُنْفَصِلاً
تـ	ـتـ	ـت	ـة	ت	تَـاءٌ	ة

- أَرْسُمُ دَائِـرَةً حَـوْلَ الْـحَـرْفِ (ت) ثُـمَّ أَكْـتُـبُ الْكَـلِـمَةَ:

मैं अक्षर (ت) के चारों ओर एक वृत्त बनाता हूँ और फिर उसे लिखता हूँ:

تَـاب	بَـات	أَبَـتْ	تَـبَّ	بَـتَـاتٌ
تَـاب	بَـات	أَبَـتْ	تَـبَّ	بَتَـاتٌ
.....	.....	.....	.....	.....
.....	.....	.....	.....	.....

- أَقْـرَأ، ثُـمَّ أُكْـمِـلُ الْـحَـرْفَ النَّـاقِـصَ:

मैं पढ़ता हूँ, तत्पश्चात अपूर्ण अक्षर को पूर्ण करता हूँ:

تُـوتٌ	بُـسْـتَـانٌ	مُـفِـيـدَةٌ	سَـلّـةٌ	أَرَتِّـبُ
...و...	بُـسْـ...انٌ	مُـفِـيـدَ...	سَـلّـ...	أَرَ...بُ

رسم الحرف	اسمه (عربي)	اسمه (हिंदी)	صوته
ث	ثَـاءٌ	सा	ثَ

أوَّل الكلمة आरंभ में	وسط الكلمة मध्य में	آخر الكلمة متَّصلاً अंत में जुड़ा हुआ	آخر الكلمة منفصلاً अंत में बिना जुड़ा हुआ
ثـ	ـثـ	ـث	ث

- كَـيْـفَ أَرْسُمُ الْـحَـرْفَ:

मैं किस प्रकार से अक्षर लिखता हूँ:



- أُسَـمِّـي الْـحَـرْفَ وَأُلَـوِّنُـهُ:

मैं अक्षर का नामकरण करता हूँ तथा उसे रंगता हूँ:

ثـ - ـثـ - ـث - ث

- أَلاَحِظُ الْـحَـرْفَ وَأَكْـتُـبُـهُ:

मैं अक्षर को ध्यान से देखता हूँ फिर उसे लिखता हूँ:

ثـ ـثـ ـث ث ثـ ـثـ ـث ث

ثـ ـثـ ـث ث ثـ ـثـ ـث ث

....

....

- أَصِلُ مَـا فِي الْقَائِـمَةِ الْعُلْيَا بِمَا يُـنَاسِبُـهُ مِنَ الْقَـائِـمَةِ السُّفْلَـى:

मैं नीचे की सूची से उपयुक्त वस्तु को चुन कर ऊपर की सूची से जोड़ता हूँ:

رَسْمُ الْحَرْفِ	اسْمُ الْحَرْفِ	صَوْتُ الْحَرْفِ	أَوَّلُ الْكَلِمَةِ	وَسطُ الْكَلِمَةِ	آخِرُ الْكَلِمَةِ مُتَّصِلاً	آخِرُ الْكَلِمَةِ مُنْفَصِلاً
ثـ	ـثـ	ـث	ث	ثَـاءٌ	ثَ	ث

- أَرْسُمُ دَائِـرَةً حَوْلَ الْـحَرْفِ (ث) ثُـمَّ أَكْـتُـبُ الْكَـلِمَةَ:

मैं अक्षर (ث) के चारों ओर एक वृत्त बनाता हूँ और फिर उसे लिखता हूँ:

ثَـبَـتَ	بَـثَّـتْ	بَـثَّ	تَـبُـثُّ	أَبُـثُّ
ثَبَتَ	بَثَّتْ	بَثَّ	تَبُثُّ	أَبُثُّ
.....	.....	.....	.....	.....
.....	.....	.....	.....	.....

- أَقْـرَأُ، ثُـمَّ أَكْـمِلُ الْـحَـرْفَ النَّـاقِـصَ:

मैं पढ़ता हूँ, तत्पश्चात अपूर्ण अक्षर को पूर्ण करता हूँ:

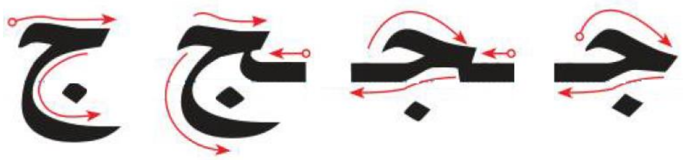
ثَـوْبٌ مِـثَـالٌ مُـثَـلّـثٌ أَثَـاثٌ ثَـلاثَـةٌ

...وْبٌ   مِـ...الٌ   مُـ...لّـ...   أَ...ا...   ...لاَ...ةٌ

آخر الكلمة منفصلاً अंत में बिना जुड़ा हुआ	آخر الكلمة متَّصلاً **अंत में जुड़ा हुआ**	وسط الكلمة **मध्य में**	أوَّل الكلمة **आरंभ में**
ج	ـج	ـجـ	جـ

رسم الحرف	اسمه		صوته
	عربي	हिंदी	
ج	جِيمٌ	जीम	جَ

- كَـيْفَ أَرْسُمُ الْـحَـرْفَ:
मैं किस प्रकार से अक्षर लिखता हूँ:



- أَسَـمِّـي الْـحَـرْفَ وَأَلَـوِّنُـهُ:
मैं अक्षर का नामकरण करता हूँ तथा उसे रंगता हूँ:

جـ - ـجـ - ـج - ج

- أَلاَحِظُ الْـحَـرْفَ وَأَكْـتُـبُـهُ:
मैं अक्षर को ध्यान से देखता हूँ फिर उसे लिखता हूँ:

جـ   ـجـ   ـج   ج   جـ   ـجـ   ـج   ج

جـ   ـجـ   ـج   ج   جـ   ـجـ   ـج   ج

....

....

- أَصِلُ مَـا فِي الْقَائِمَةِ الْعُلْيَا بِمَا يُنَاسِبُهُ مِنَ الْقَائِمَةِ السُّفْلَى:
मैं नीचे की सूची से उपयुक्त वस्तु को चुन कर ऊपर की सूची से जोड़ता हूँ:

رَسْمُ الْحَرْفِ	اسْمُ الْحَرْفِ	صَوْتُ الْحَرْفِ	أَوَّلُ الْكَلِمَةِ	وَسَطُ الْكَلِمَةِ	آخِرُ الْكَلِمَةِ مُتَّصِلاً	آخِرُ الْكَلِمَةِ مُنْفَصِلاً

ج	جَ	جِيمٌ	ج	جـ	ـجـ	جـ

– أَرْسُمُ دَائِـرَةً حَوْلَ الْـحَـرْفِ (ج) ثُـمَّ أَكْـتُـبُ الْكَـلِمَةَ:

मैं अक्षर (ج) के चारों ओर एक वृत्त बनाता हूँ और फिर उसे लिखता हूँ:

جَـاب	أَجُـبُّ	جَـاءَث	جُـبْـثُ	جُـبُّ
جَابَ	أَجُبُّ	جَاءَثْ	جُبْثُ	جُبُّ
.....	.....	.....	.....	.....
.....	.....	.....	.....	.....

– أَقْـرَأ، ثُـمَّ أَكْـمِلُ الْـحَـرْفَ النَّـاقِـصَ:

मैं पढ़ता हूँ, तत्पश्चात अपूर्ण अक्षर को पूर्ण करता हूँ:

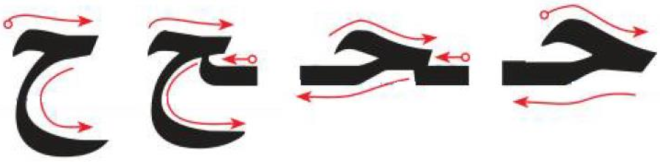
جَـمَـلٌ	مَـسَاجِـدُ	فِـجْـلٌ	زُجَـاجٌ	مُـتَـوَهِّـجٌ
...مَـلٌ	مَسَا...دُ	فِـ...لٌ	زُ...ا...	مُـتَـوَهِّـ...

رسم الحرف	اسمه عربي	اسمه हिंदी	صوته
ح	حَاءٌ	हा	حَ

أوَّل الكلمة आरंभ में	وسط الكلمة मध्य में	آخر الكلمة متَّصلاً अंत में जुड़ा हुआ	آخر الكلمة منفصلاً अंत में बिना जुड़ा हुआ
حـ	ـحـ	ـح	ح

– كَـيْفَ أَرْسُمُ الْـحَـرْفَ:

मैं किस प्रकार से अक्षर लिखता हूँ:



– أَسَـمِّـي الْـحَـرْفَ وَأَلَـوِّنُـهُ:

मैं अक्षर का नामकरण करता हूँ तथा उसे रंगता हूँ:

حـ - ـحـ - ـح - ح

- أَلاَحِظُ الْـحَـرْفَ وَأَكْـتُـبُـهُ:

मैं अक्षर को ध्यान से देखता हूँ फिर उसे लिखता हूँ:

حـ ـحـ ـح ح حـ ـحـ ـح ح

حـ ـحـ ـح ح حـ ـحـ ـح ح

....

....

- أَصِلُ مَـا فِي الْقَائِـمَةِ الْعُلْيَا بِمَا يُـنَـاسِبُـهُ مِنَ الْـقَـائِـمَةِ السُّفْلَـى:

मैं नीचे की सूची से उपयुक्त वस्तु को चुन कर ऊपर की सूची से जोड़ता हूँ:

رَسْمُ الْحَرْفِ	اسْمُ الْحَرْفِ	صَوْتُ الْحَرْفِ	أَوَّلُ الْكَلِمَةِ	وَسَطُ الْكَلِمَةِ	آخِرُ الْكَلِمَةِ مُتَّصِلاً	آخِرُ الْكَلِمَةِ مُنْفَصِلاً

ـحـ	حـ	ـح	ح	حَـاءٌ	حَ	ح

- أَرْسُمُ دَائِـرَةً حَوْلَ الْـحَـرْفِ (ح) ثُـمَّ أَكْـتُـبُ الْكَـلِمَةَ:

मैं अक्षर (ح) के चारों ओर एक वृत्त बनाता हूँ और फिर उसे लिखता हूँ:

حَـجَّ تَـحُـجُّ حَـاجَّ حُـجَّـاجٌ بَـاحَ

حَجَّ تَحُجُّ حَاجَّ حُجَّاجٌ بَاحَ

....

....

- أَقْـرَأُ، ثُـمَّ أُكْـمِـلُ الْـحَـرْفَ النَّـاقِـصَ:

मैं पढ़ता हूँ, तत्पश्चात अपूर्ण अक्षर को पूर्ण करता हूँ:

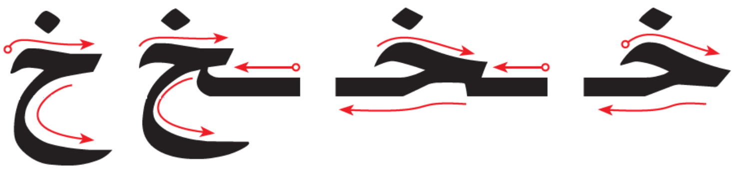
رِحْلَـةٌ تِـمْسَاحٌ لَـحِـقَ يَـسْبَـحُ بُـحَـيْـرَةٌ

رِ...لَـةٌ   تِـمْـسَـا...   لَـ...ق   يَـسْـبَـ...   بُـ...يْـرَةٌ

رسم الحرف	اسمه: عربي	اسمه: हिंदी	صوته
خ	خَـاءٌ	ख़ा	خَ

أَوَّل الكلمة आरंभ में	وسط الكلمة मध्य में	آخر الكلمة متَّصلاً अंत में जुड़ा हुआ	آخر الكلمة منفصلاً अंत में बिना जुड़ा हुआ
خـ	ـخـ	ـخ	خ

- كَـيْفَ أَرْسُمُ الْـحَـرْفَ:
मैं किस प्रकार से अक्षर लिखता हूँ:



- أَسَـمِّـي الْـحَـرْفَ وَأَلَـوِّنُـهُ:
मैं अक्षर का नामकरण करता हूँ तथा उसे रंगता हूँ:

خـ - ـخـ - ـخ - خ

- أَلاَحِظُ الْـحَـرْفَ وَأَكْـتُـبُـهُ:
मैं अक्षर को ध्यान से देखता हूँ फिर उसे लिखता हूँ:

خـ   ـخـ   ـخ   خ   خـ   ـخـ   ـخ   خ

خـ   ـخـ   ـخ   خ   خـ   ـخـ   ـخ   خ

....

....

- أَصِلُ مَا فِي الْقَائِمَةِ الْعُلْيَا بِمَا يُنَاسِبُهُ مِنَ الْقَائِمَةِ السُّفْلَى:
मैं नीचे की सूची से उपयुक्त वस्तु को चुन कर ऊपर की सूची से जोड़ता हूँ:

رَسْمُ الْحَرْفِ	اسْمُ الْحَرْفِ	صَوْتُ الْحَرْفِ	أَوَّلُ الْكَلِمَةِ	وَسَطُ الْكَلِمَةِ	آخِرُ الْكَلِمَةِ مُتَّصِلاً	آخِرُ الْكَلِمَةِ مُنْفَصِلاً

خـ	ـخـ	ـخ	خ	خَـاءٌ	خَ	خ

- أَرْسُمُ دَائِـرَةً حَوْلَ الْـحَـرْفِ (خ) ثُـمَّ أَكْـتُـبُ الْكَـلِمَةَ:

मैं अक्षर (ख़) के चारों ओर एक वृत्त बनाता हूँ और फिर उसे लिखता हूँ:

خَبَّابٌ	خَاب	بَخ بَخ	بَخَّاخٌ	خَبَّبَ
خَبَّابٌ	خَاب	بَخ بَخ	بَخَّاخٌ	خَبَّبَ
.....	.....	.....	.....	.....
.....	.....	.....	.....	.....

- أَقْـرَأُ، ثُـمَّ أُكْـمِـلُ الْـحَـرْفَ النَّـاقِـصَ:

मैं पढ़ता हूँ, तत्पश्चात अपूर्ण अक्षर को पूर्ण करता हूँ:

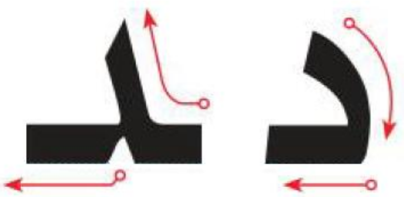
خَوْخٌ	بُخُورٌ	دَاخِلٌ	نَسَخَ	مُنَاخٌ
...ـو...	بُـ...ـورٌ	دَا...ـلٌ	نَسَـ...	مُنَـا...

رسم الحرف	اسمه		صوته
	عربي	हिंदी	
د	دَالٌ	दाल	دَ

أوّل الكلمة आरंभ में	وسط الكلمة मध्य में	آخر الكلمة متّصلاً अंत में जुड़ा हुआ	آخر الكلمة منفصلاً अंत में बिना जुड़ा हुआ
د	ـدـ	ـد	د

- كَـيْـفَ أَرْسُمُ الْـحَـرْفَ:

मैं किस प्रकार से अक्षर लिखता हूँ:



- أُسَـمِّـي الْـحَـرْفَ وَأُلَـوِّنُـهُ:

मैं अक्षर का नामकरण करता हूँ तथा उसे रंगता हूँ:

د - ـد - د - ـد - د

- أَلاَحِظُ الْـحَـرْفَ وَأَكْـتُـبُـهُ: मैं अक्षर को ध्यान से देखता हूँ फिर उसे लिखता हूँ:

ـد د ـد د ـد د ـد د

ـد د ـد د ـد د ـد د

....

....

- أَصِلُ مَـا فِي الْقَائِـمَةِ الْعُلْيَا بِمَا يُنَاسِبُهُ مِنَ الْقَـائِـمَةِ السُّفْلَى: मैं नीचे की सूची से उपयुक्त वस्तु को चुन कर ऊपर की सूची से जोड़ता हूँ:

رَسْمُ الْحَرْفِ	اسْمُ الْحَرْفِ	صَوْتُ الْحَرْفِ	أَوَّلُ الْكَلِمَةِ	وَسطُ الْكَلِمَةِ	آخِرُ الْكَلِمَةِ مُتَّصِلاً	آخِرُ الْكَلِمَةِ مُنْفَصِلاً

د	ـد	ـد	د	دَالٌ	دَ	د

- أَرْسُمُ دَائِـرَةً حَوْلَ الْـحَـرْفِ (د) ثُـمَّ أَكْـتُـبُ الْكَـلِمَةَ: मैं अक्षर (ـد) के चारों ओर एक वृत्त बनाता हूँ और फिर उसे लिखता हूँ :

دُبٌّ ابْـدَأ بَـدَأَتْ جَـدٌّ جَـدَّةٌ

دُبٌّ ابْدَأ بَدَأَتْ جَدٌّ جَدَّةٌ

....

....

- أَقْـرَأ، ثُـمَّ أَكْـمِلُ الْـحَـرْفَ النَّـاقِـصَ: मैं पढ़ता हूँ, तत्पश्चात अपूर्ण अक्षर को पूर्ण करता हूँ:

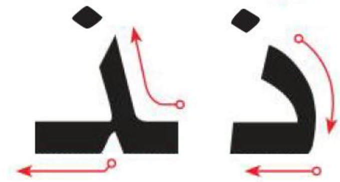
دُمْيَـةٌ وَلَـدٌ نَـادِرٌ صَـدِيـقٌ قِـرْدٌ

...مْيَةٌ   وَلَـ...   نَـا...رٌ   صَـ...يـقٌ   ...قِـرْ

رسم الحرف	اسمه		صوته
	عربي	हिंदी	
ذ	ذَالٌ	ज़ाल	ذَ

أوّل الكلمة आरंभ में	وسط الكلمة मध्य में	آخر الكلمة متّصلاً अंत में जुड़ा हुआ	آخر الكلمة منفصلاً अंत में बिना जुड़ा हुआ
ذ	ـذ	ـذ	ذ

– كَـيْفَ أَرْسُمُ الْـحَـرْفَ: मैं किस प्रकार से अक्षर लिखता हूँ:



– أسَـمِّـي الْـحَـرْفَ وَأَلَـوِّنُـهُ: मैं अक्षर का नामकरण करता हूँ तथा उसे रंगता हूँ:

ذ - ذ - ذ - ذ - ذ

– ألاَحِظُ الْـحَـرْفَ وَأَكْـتُـبُـهُ: मैं अक्षर को ध्यान से देखता हूँ फिर उसे लिखता हूँ:

ذ ـذ ذ ـذ ذ ـذ ذ ـذ

ذ ـذ ذ ـذ ذ ـذ ذ ـذ

....

....

– أَصِلُ مَـا فِي الْقَائِـمَةِ الْعُلْيَا بِمَا يُنَاسِبُهُ مِنَ الْقَـائِمَةِ السُّفْلَى: मैं नीचे की सूची से उपयुक्त वस्तु को चुन कर ऊपर की सूची से जोड़ता हूँ:

رَسْمُ الْحَرْفِ	اسْمُ الْحَرْفِ	صَوْتُ الْحَرْفِ	أَوَّلُ الْكَلِمَةِ	وَسَطُ الْكَلِمَةِ	آخِرُ الْكَلِمَةِ مُتَّصِلاً	آخِرُ الْكَلِمَةِ مُنْفَصِلاً

ذ	ذَ	ذَالٌ	ذ	ذ	ذ	ذ

- أَرْسُمُ دَائِـرَةً حَـوْلَ الْـحَـرْفِ (ذ) ثُـمَّ أَكْـتُـبُ الْكَـلِمَةَ:

मैं अक्षर (ذ) के चारों ओर एक वृत्त बनाता हूँ और फिर उसे लिखता हूँ:

ذَا	ذَاب	ذَاتَ	أَخَـذَ	خُـذْ
ذَا	ذَاب	ذَاتَ	أَخَذَ	خُذْ
.....	.....	.....	.....	.....
.....	.....	.....	.....	.....

- أَقْـرَأُ، ثُـمَّ أَكْـمِـلُ الْـحَـرْفَ النَّـاقِـصَ:

मैं पढ़ता हूँ, तत्पश्चात अपूर्ण अक्षर को पूर्ण करता हूँ:

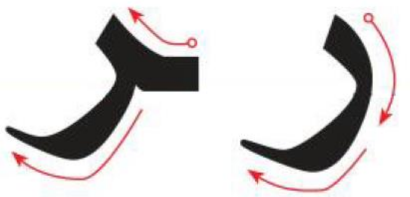
مُـنْـقِـذٌ	ذَكِـيٌّ	أُذُنٌ	رَذَاذٌ	لَـذِيـذٌ
مُـنْـقِـ...	...كِـيٌّ	أُ...نٌ	رَ...ا...	لَـ...يـ...

رسم الحرف	اسمه		صوته
	عربي	हिंदी	
ر	رَاءٌ	रा	رَ

أوّل الكلمة आरंभ में	وسط الكلمة मध्य में	آخر الكلمة متّصلاً अंत में जुड़ा हुआ	آخر الكلمة منفصلاً अंत में बिना जुड़ा हुआ
ر	ـر	ـر	ر

- كَـيْـفَ أَرْسُمُ الْـحَـرْفَ:

मैं किस प्रकार से अक्षर लिखता हूँ:



- أُسَـمِّـي الْـحَـرْفَ وَأُلَـوِّنُـهُ:

मैं अक्षर का नामकरण करता हूँ तथा उसे रंगता हूँ:

ر - ـر - ر - ـر - ر - ـر - ر - ـر -

ر

- أَلاَحِظُ الْـحَـرْفَ وَأَكْـتُـبُـهُ:

मैं अक्षर को ध्यान से देखता हूँ फिर उसे लिखता हूँ:

ر ـر ر ـر ر ـر ر ـر

ر ـر ر ـر ر ـر ر ـر

....

....

- أَصِـلُ مَـا فِي الْقَائِـمَةِ الْعُـلْيَا بِمَا يُـنَـاسِبُـهُ مِنَ الْـقَـائِـمَـةِ السُّـفْـلَـى:

मैं नीचे की सूची से उपयुक्त वस्तु को चुन कर ऊपर की सूची से जोड़ता हूँ:

رَسْمُ الْحَرْفِ	اسْمُ الْحَرْفِ	صَوْتُ الْحَرْفِ	أَوَّلُ الْكَلِمَةِ	وَسطُ الْكَلِمَةِ	آخِرُ الْكَلِمَةِ مُتَّصِلاً	آخِرُ الْكَلِمَةِ مُنْفَصِلاً

ر	ـر	ر	ـر	رَاءٌ	رَ	ر

- أَرْسُمُ دَائِـرَةً حَـوْلَ الْـحَـرْفِ (ر) ثُـمَّ أَكْـتُـبُ الْكَـلِمَةَ:

मैं अक्षर (ر) के चारों ओर एक वृत्त बनाता हूँ और फिर उसे लिखता हूँ:

رُبَّ رَدَّ خَـرَجَ حَـجَـرٌ بَـارٌّ

رُبَّ رَدَّ خَرَجَ حَجَرٌ بَارٌّ

....

....

- أَقْـرَأُ، ثُـمَّ أُكْـمِـلُ الْـحَـرْفَ النَّــاقِـصَ: मैं पढ़ता हूँ, तत्पश्चात अपूर्ण अक्षर को पूर्ण करता हूँ:

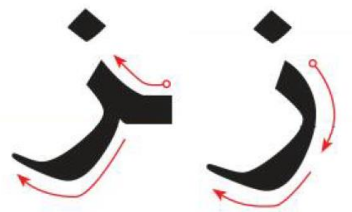
بَـرْدٌ رِحْـلَـةٌ نَــادِرٌ رَبِّــي الْـمُـرُورُ

بَــ...دٌ ...حْـلَـةٌ نَــادِ... ...بِّــي الْـمُـ...ورُ

صوته	اسمه		رسم الحرف
	हिंदी	عربي	
زَ	ज़ा	زَايٌ	ز

آخر الكلمة منفصلاً **अंत में बिना जुड़ा हुआ**	آخر الكلمة متّصلاً **अंत में जुड़ा हुआ**	وسط الكلمة **मध्य में**	أوّل الكلمة **आरंभ में**
ز	ـز	ـز	ز

- كَــيْـفَ أَرْسُمُ الْـحَـرْفَ: मैं किस प्रकार से अक्षर लिखता हूँ:



- أُسَــمِّــي الْـحَـرْفَ وَأُلَــوِّنُـهُ: मैं अक्षर का नामकरण करता हूँ तथा उसे रंगता हूँ:

ز - ـز - ز - ـز -

ز

- أُلَاحِظُ الْـحَـرْفَ وَأَكْـتُـبُـهُ: मैं अक्षर को ध्यान से देखता हूँ फिर उसे लिखता हूँ:

زـ ز زـ ز زـ ز زـ ز

زـ ز زـ ز زـ ز زـ ز

....

....

- أَصِلُ مَـا فِي الْقَائِـمَةِ الْـعُلْيَا بِمَا يُنَاسِبُهُ مِنَ الْقَـائِـمَةِ السُّفْلَـى:

मैं नीचे की सूची से उपयुक्त वस्तु को चुन कर ऊपर की सूची से जोड़ता हूँ:

رَسْمُ الْحَرْفِ	اسْمُ الْحَرْفِ	صَوْتُ الْحَرْفِ	أَوَّلُ الْكَلِمَةِ	وَسَطُ الْكَلِمَةِ	آخِرُ الْكَلِمَةِ مُتَّصِلاً	آخِرُ الْكَلِمَةِ مُنْفَصِلاً

ز	زـ	ز	ز	زَايٌ	زَ	ز

- أَرْسُمُ دَائِرَةً حَوْلَ الْحَرْفِ (ز) ثُمَّ أَكْتُبُ الْكَلِمَةَ:

मैं अक्षर (ز) के चारों ओर एक वृत्त बनाता हूँ और फिर उसे लिखता हूँ:

زَادَ زَحْزَحَ زَارَ أَرُزٌّ خُبْـزٌ

زَادَ زَحْزَحَ زَارَ أَرُزٌّ خُبْزٌ

....

....

- أَقْرَأُ، ثُمَّ أُكْمِلُ الْحَرْفَ النَّاقِصَ:

मैं पढ़ता हूँ, तत्पश्चात अपूर्ण अक्षर को पूर्ण करता हूँ:

زَرَافَةٌ فَازَ حِزَامٌ غَزَالٌ عَزِيزٌ

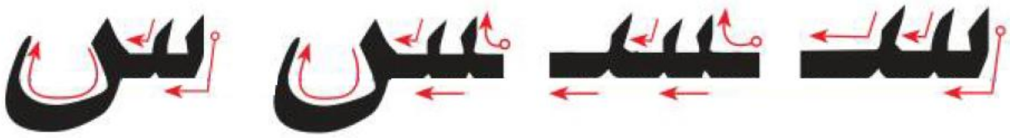
...رَافَةٌ فَا... حِ...امٌ غَـ...الٌ عَـ...يـ...

رسم الحرف	اسمه		صوته	أوَّل الكلمة आरंभ में	وسط الكلمة मध्य में	آخر الكلمة متَّصلاً	آخر الكلمة منفصلاً
	عربي	हिंदी					

अंत में बिना जुड़ा हुआ	अंत में जुड़ा हुआ		
س	ـــس	ـــســـ	ســـ

سَ	सीन	سِينٌ	س

- كَـيْفَ أَرْسُمُ الْـحَـرْفَ: मैं किस प्रकार से अक्षर लिखता हूँ:



- أَسَـمِّـي الْـحَـرْفَ وَأَلَـوِّنُـهُ: मैं अक्षर का नामकरण करता हूँ तथा उसे रंगता हूँ:

ســـ - ـــســـ - ـــس - س

- أَلاَحِظُ الْـحَـرْفَ وَأَكْـتُـبُـهُ: मैं अक्षर को ध्यान से देखता हूँ फिर उसे लिखता हूँ:

ســـ ـــســـ ـــس س ســـ ـــســـ ـــس س

ســـ ـــســـ ـــس س ســـ ـــســـ ـــس س

....

....

- أَصِـلُ مَـا فِي الْقَائِـمَةِ الْـعُلْـيَا بِمَـا يُنَـاسِـبُـهُ مِنَ الْـقَـائِـمَـةِ السُّفْلَـى: मैं नीचे की सूची से उपयुक्त वस्तु को चुन कर ऊपर की सूची से जोड़ता हूँ:

آخِرُ الْكَلِمَةِ مُنْفَصِلاً	آخِرُ الْكَلِمَةِ مُتَّصِلاً	وَسَطُ الْكَلِمَةِ	أَوَّلُ الْكَلِمَةِ	صَوْتُ الْحَرْفِ	اسْمُ الْحَرْفِ	رَسْمُ الْحَرْفِ

س	سَ	سِينٌ	س	ـس	ـسـ	سـ

- أَرْسُمُ دَائِــرَةً حَوْلَ الْـحَـرْفِ (س) ثُــمَّ أَكْـتُـبُ الْكَـلِمَةَ:

मैं अक्षर (س) के चारों ओर एक वृत्त बनाता हूँ और फिर उसे लिखता हूँ:

سَـارَ	أَسْـرَارٌ	أَدْرُسُ	رَسَـتْ	سَـاحَ
سَارَ	أَسْرَارٌ	أَدْرُسُ	رَسَتْ	سَاحَ
.....	.....	.....	.....	.....
.....	.....	.....	.....	.....

- أَقْـرَأُ، ثُـمَّ أُكْـمِلُ الْـحَـرْفَ النَّــاقِـصَ:

मैं पढ़ता हूँ, तत्पश्चात अपूर्ण अक्षर को पूर्ण करता हूँ:

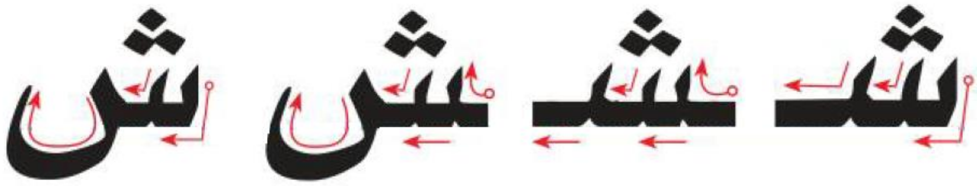
سَفِينَـةٌ	مُـشْـمِـسٌ	حَـارِسٌ	رَسَـمَ	يَـسُـوقُ
...فِـيـنَـةٌ	مُـشْـمِـ...	حَـارِ...	رَ...مَ	يَـ...وقُ

رسم الحرف	اسمه عربي	اسمه हिंदी	صوته
ش	شِـينٌ	शीन	شَ

أوَّل الكلمة आरंभ में	وسط الكلمة मध्य में	آخر الكلمة متّصلاً अंत में जुड़ा हुआ	آخر الكلمة منفصلاً अंत में बिना जुड़ा हुआ
شــ	ــشــ	ــش	ش

- كَــيْـفَ أَرْسُمُ الْــحَـرْفَ:

मैं किस प्रकार से अक्षर लिखता हूँ:



- أُسَــمِّــي الْـحَـرْفَ وَأُلَــوِّنُــهُ:

मैं अक्षर का नामकरण करता हूँ तथा उसे रंगता हूँ:

شــ - ــشــ - ــش - ش

- أُلَاحِظُ الْـحَـرْفَ وَأَكْـتُـبُـهُ:

मैं अक्षर को ध्यान से देखता हूँ फिर उसे लिखता हूँ:

شـ شـ ـشـ ـش ش شـ ـشـ ـش

شـ شـ ـشـ ـش ش شـ ـشـ ـش

....

....

– أَصِـلُ مَـا فِي الْقَائِـمَةِ الْعُلْيَا بِمَا يُنَاسِبُهُ مِنَ الْقَائِمَةِ السُّفْلَى:

मैं नीचे की सूची से उपयुक्त वस्तु को चुन कर ऊपर की सूची से जोड़ता हूँ:

رَسْمُ الْحَرْفِ	اسْمُ الْحَرْفِ	صَوْتُ الْحَرْفِ	أَوَّلُ الْكَلِمَةِ	وَسَطُ الْكَلِمَةِ	آخِرُ الْكَلِمَةِ مُتَّصِلاً	آخِرُ الْكَلِمَةِ مُنْفَصِلاً
شـ	ـشـ	ـش	ش	شِينٌ	شَ	ش

– أَرْسُمُ دَائِرَةً حَوْلَ الْحَرْفِ (ش) ثُمَّ أَكْتُبُ الْكَلِمَةَ:

मैं अक्षर (ش) के चारों ओर एक वृत्त बनाता हूँ और फिर उसे लिखता हूँ :

شَاشٌ بِشْتٌ شَابَ شَجَرٌ أَبْشِرْ

شَاشٌ بِشْتٌ شَابَ شَجَرٌ أَبْشِرْ

....

....

– أَقْرَأُ، ثُمَّ أُكْمِلُ الْحَرْفَ النَّاقِصَ:

मैं पढ़ता हूँ, तत्पश्चात अपूर्ण अक्षर को पूर्ण करता हूँ:

مِشْمِشٌ شَرَعَ فِرَاشٌ عَطِشَ عُشٌّ

مِـ...مِـ... ...رَعَ فِرَا... عَطِـ... عُـ...

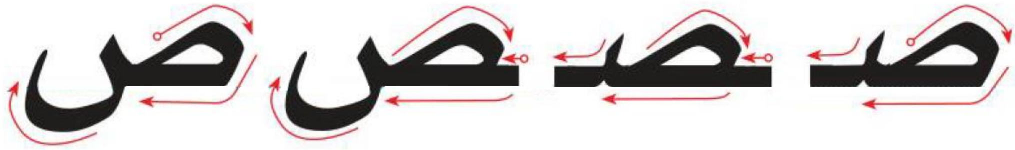
رسم الحرف	اسمه		صوته
	عربي	हिंदी	

أوَّل الكلمة आरंभ में	وسط الكلمة मध्य में	آخر الكلمة متَّصلاً	آخر الكلمة منفصلاً

अंत में बिना जुड़ा हुआ	अंत में जुड़ा हुआ		
ص	ـص	ـصـ	صـ

صَ	साद	صَادٌ	ص

- كَـيْفَ أَرْسُمُ الْـحَـرْفَ: मैं किस प्रकार से अक्षर लिखता हूँ:



- أَسَـمِّـي الْـحَـرْفَ وَأَلَـوِّنُـهُ: मैं अक्षर का नामकरण करता हूँ तथा उसे रंगता हूँ:

صـ - ـصـ - ـص -

ص

- أَلاَحِظُ الْـحَـرْف وَأَكْـتُـبُـهُ: मैं अक्षर को ध्यान से देखता हूँ फिर उसे लिखता हूँ:

صـ صـ ـصـ ـص ص صـ ـصـ ـص ص

صـ صـ ـصـ ـص ص صـ ـصـ ـص ص

....

....

- أَصِلُ مَـا فِي الْقَائِـمَةِ الْعُلْيَا بِمَا يُـنَـاسِـبُـهُ مِنَ الْـقَـائِـمَـةِ السُّفْلَى: मैं नीचे की सूची से उपयुक्त वस्तु को चुन कर ऊपर की सूची से जोड़ता हूँ:

آخِرُ الْكَلِمَةِ مُنْفَصِلاً	آخِرُ الْكَلِمَةِ مُتَّصِلاً	وَسَطُ الْكَلِمَةِ	أَوَّلُ الْكَلِمَةِ	صَوْتُ الْحَرْفِ	اسْمُ الْحَرْفِ	رَسْمُ الْحَرْفِ

ص	صَ	صَادٌ	ص	ـص	ـصـ	صـ

- أَرْسُمُ دَائِـرَةً حَـوْلَ الْـحَـرْفِ (ص) ثُـمَّ أَكْـتُـبُ الْكَـلِمَةَ:

मैं अक्षर (ص) के चारों ओर एक वृत्त बनाता हूँ और फिर उसे लिखता हूँ:

صَاحَ أَصَابَ أَصْبَحَ حَرِصَ صَادَ

صَاحَ أَصَابَ أَصْبَحَ حَرِصَ صَادَ

....

....

- أَقْـرَأُ، ثُـمَّ أُكْـمِلُ الْـحَـرْفَ النَّـاقِـصَ:

मैं पढ़ता हूँ, तत्पश्चात अपूर्ण अक्षर को पूर्ण करता हूँ:

صُورَةٌ عَصِيرٌ بَصَلٌ صِحَّةٌ قَصَصٌ

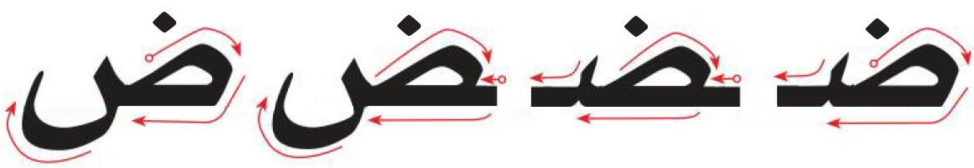
....ورَةٌ عَـ...يـرٌ بَـ....لٌ ...حَّـةٌ قَـ... .....

رسم الحرف	اسمه عربي	اسمه हिंदी	صوته
ض	ضَادٌ	ज़ाद	ضَ

أوَّل الكلمة आरंभ में	وسط الكلمة मध्य में	آخر الكلمة متَّصلاً अंत में जुड़ा हुआ	آخر الكلمة منفصلاً अंत में बिना जुड़ा हुआ
ضـ	ـضـ	ـض	ض

- كَـيْفَ أَرْسُمُ الْـحَـرْفَ:

मैं किस प्रकार से अक्षर लिखता हूँ:



- أُسَـمِّـي الْـحَـرْفَ وَأُلَـوِّنُـهُ:

मैं अक्षर का नामकरण करता हूँ तथा उसे रंगता हूँ:

ضـ - ـضـ - ـض - ض

- ألاَحِظُ الّـحَـرْفَ وَأَكْـتُـبُـهُ:

मैं अक्षर को ध्यान से देखता हूँ फिर उसे लिखता हूँ:

ضـ ضـ ـضـ ـض ـضـ ـضـ ـض ـض

ضـ ضـ ـضـ ـض ـضـ ـضـ ـض ـض

....

....

- أَصِـلُ مَـا فِي الّـقَائِـمَةِ الّـعُلّـيَا بِمَـا يُـنَاسِبُـهُ مِنَ الْـقَـائِـمَـةِ السُّفْلَـى:

मैं नीचे की सूची से उपयुक्त वस्तु को चुन कर ऊपर की सूची से जोड़ता हूँ:

رَسْمُ الْحَرْفِ	اسْمُ الْحَرْفِ	صَوْتُ الْحَرْفِ	أَوَّلُ الْكَلِمَةِ	وَسَطُ الْكَلِمَةِ	آخِرُ الْكَلِمَةِ مُتَّصِلاً	آخِرُ الْكَلِمَةِ مُنْفَصِلاً

ضـ	ـضـ	ـض	ض	ضَادٌ	ضَ	ض

- أَرْسُمُ دَائِـرَةً حَـوْلَ الْـحَـرْفِ (ض) ثُـمَّ أَكْـتُـبُ الْكَـلِمَةَ:

मैं अक्षर (ض) के चारों ओर एक वृत्त बनाता हूँ और फिर उसे लिखता हूँ:

ضَـارِبَ ضَـرَبَ ضِـرْسٌ خُضَـارٌ خِضَـابٌ

ضَارَبَ ضَرَبَ ضِرْسٌ خُضَارٌ خِضَابٌ

....

....

- أَقْـرَأ، ثُـمَّ أُكْـمِـلُ الْـحَـرْفَ النَّـاقِـصَ: मैं पढ़ता हूँ, तत्पश्चात अपूर्ण अक्षर को पूर्ण करता हूँ:

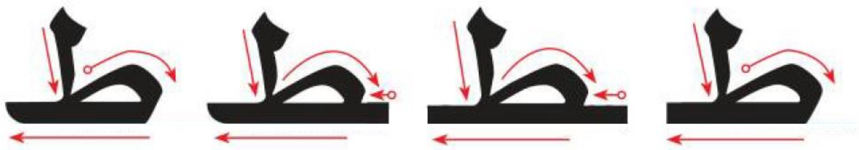
مَـرِيـضٌ حَـضَـرَ ضِـرْسٌ فَـرْضٌ رَضِـيـعٌ

مَـرِيـ... حَـ...رَ ...ـرْسٌ فَـرْ... رَ...يـعٌ

رسم الحرف	اسمه عربي	اسمه हिंदी	صوته
ط	طَاءٌ	ता	طَ

أوَّل الكلمة आरंभ में	وسط الكلمة मध्य में	آخر الكلمة متَّصلاً अंत में जुड़ा हुआ	آخر الكلمة منفصلاً अंत में बिना जुड़ा हुआ
طـ	ـطـ	ـط	ط

- كَـيْفَ أَرْسُمُ الْـحَـرْفَ: मैं किस प्रकार से अक्षर लिखता हूँ:



- أُسَـمِّـي الْـحَـرْفَ وَأُلَـوِّنُـهُ: मैं अक्षर का नामकरण करता हूँ तथा उसे रंगता हूँ:

طـ - ـطـ - ـط - ط

- أُلاَحِظُ الْـحَـرْفَ وَأَكْـتُـبُـهُ: मैं अक्षर को ध्यान से देखता हूँ फिर उसे लिखता हूँ:

طـ ـطـ ـط ط طـ ـطـ ـط ط

طـ ـطـ ـط ط طـ ـطـ ـط ط

....

....

- أَصِلُ مَـا فِي الْقَائِمَةِ الْعُلْيَا بِمَا يُنَاسِبُهُ مِنَ الْقَائِمَةِ السُّفْلَى:

मैं नीचे की सूची से उपयुक्त वस्तु को चुन कर ऊपर की सूची से जोड़ता हूँ:

رَسْمُ الْحَرْفِ	اسْمُ الْحَرْفِ	صَوْتُ الْحَرْفِ	أَوَّلُ الْكَلِمَةِ	وَسَطُ الْكَلِمَةِ	آخِرُ الْكَلِمَةِ مُتَّصِلاً	آخِرُ الْكَلِمَةِ مُنْفَصِلاً

طـ	ـطـ	ـط	ط	طَاءٌ	طَ	ط

- أَرْسُمُ دَائِرَةً حَوْلَ الْحَرْفِ (ط) ثُمَّ أَكْتُبُ الْكَلِمَةَ:

मैं अक्षर (ط) के चारों ओर एक वृत्त बनाता हूँ और फिर उसे लिखता हूँ:

طَارَ	بَطِرَ	طِبٌّ	سَطَّرَ	شَطَّرٌ
طَارَ	بَطِرَ	طِبٌّ	سَطَّرَ	شَطَّرٌ
.....	.....	.....	.....	.....
.....	.....	.....	.....	.....

- أَقْرَأُ، ثُمَّ أُكْمِلُ الْحَرْفَ النَّاقِصَ:

मैं पढ़ता हूँ, तत्पश्चात अपूर्ण अक्षर को पूर्ण करता हूँ:

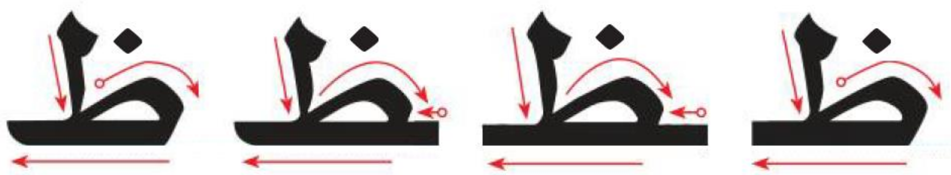
طَيْرٌ	بَطَّةٌ	سَوْطٌ	قِطٌّ	شَرْطٌ
...يْرٌ	بَ...ةٌ	سَوْ...	قِ...	شَرْ...

رسم الحرف	اسمه عربي	اسمه हिंदी	صوته
ظ	ظَاءٌ	ज़ा	ظَ

أوَّل الكلمة आरंभ में	وسط الكلمة मध्य में	آخر الكلمة متَّصلاً अंत में जुड़ा हुआ	آخر الكلمة منفصلاً अंत में बिना जुड़ा हुआ
ظـ	ـظـ	ـظ	ظ

- كَـيْفَ أَرْسُمُ الْحَرْفَ:

मैं किस प्रकार से अक्षर लिखता हूँ:



- أَسَــمِّـي الّــحَــرْفَ وَأَلَــوِّنُــهُ: मैं अक्षर का नामकरण करता हूँ तथा उसे रंगता हूँ:

ظ - ظـ - ـظـ - ـظ

- أَلاَحِظُ الّــحَــرْفَ وَأَكْــتُــبُــهُ: मैं अक्षर को ध्यान से देखता हूँ फिर उसे लिखता हूँ:

ظ ـظ ـظـ ظـ ظ ـظ ـظـ ظـ

ظ ـظ ـظـ ظـ ظ ـظ ـظـ ظـ

....

....

- أَصِلُ مَــا فِي الّقَائِـمَةِ الّعُـلّـيَا بِـمَا يُـنَـاسِـبُـهُ مِنَ الّـقَــائِـمَـةِ السُّفْلَـى: मैं नीचे की सूची से उपयुक्त वस्तु को चुन कर ऊपर की सूची से जोड़ता हूँ:

رَسْمُ الْحَرْفِ	اسْمُ الْحَرْفِ	صَوْتُ الْحَرْفِ	أَوَّلُ الْكَلِمَةِ	وَسطُ الْكَلِمَةِ	آخِرُ الْكَلِمَةِ مُتَّصِلاً	آخِرُ الْكَلِمَةِ مُنْفَصِلاً

ـظ	ـظـ	ظـ	ظ	ظَاءٌ	ظَ	ظ

- أَرْسُمُ دَائِــرَةً حَوْلَ الّـحَـرْفِ (ظ) ثُــمَّ أَكْــتُــبُ الْكَــلِمَةَ: मैं अक्षर (ظ) के चारों ओर एक वृत्त बनाता हूँ और फिर उसे लिखता हूँ:

ظَـيْـرٌ	حَــظّ	حَــظَــرَ	ظِــئْــرٌ	ظِـبَــاءٌ
ظَيْرٌ	حَظّ	حَظَرَ	ظِئْرٌ	ظِبَاءٌ
.....	.....	.....	.....	.....
.....	.....	.....	.....	.....

- أَقْـرَأُ، ثُـمَّ أُكْـمِـلُ الْـحَـرْفَ النَّـاقِـصَ: मैं पढ़ता हूँ, तत्पश्चात अपूर्ण अक्षर को पूर्ण करता हूँ:

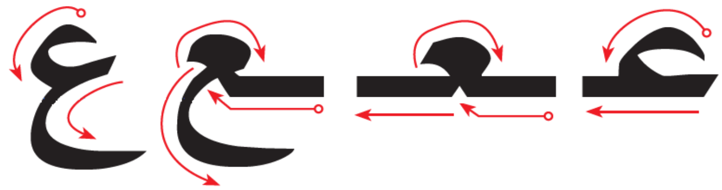
ظِـلٌّ مِظَـلّـةٌ ظُـفْـرٌ غَلِيـظٌ مَحْفُوظٌ

...لٌّ مِـ...لّـةٌ ...فْـرٌ غَلِيـ... مَحْفُو...

رسم الحرف	اسمه عربي	اسمه हिंदी	صوته
ع	عَيْنٌ	ऐन	عَ

أوّل الكلمة आरंभ में	وسط الكلمة मध्य में	آخر الكلمة متّصلاً अंत में जुड़ा हुआ	آخر الكلمة منفصلاً अंत में बिना जुड़ा हुआ
عـ	ـعـ	ـع	ع

- كَـيْـفَ أَرْسُمُ الْـحَـرْفَ: मैं किस प्रकार से अक्षर लिखता हूँ:



- أُسَـمِّـي الْـحَـرْفَ وَأُلَـوِّنُـهُ: मैं अक्षर का नामकरण करता हूँ तथा उसे रंगता हूँ:

عـ - ـعـ - ـع - ع

- أُلاَحِظُ الْـحَـرْفَ وَأَكْـتُـبُـهُ: मैं अक्षर को ध्यान से देखता हूँ फिर उसे लिखता हूँ:

عـ ـعـ ـع ع عـ ـعـ ـع ع

عـ ـعـ ـع ع عـ ـعـ ـع ع

....

....

- أَصِلُ مَـا فِي الْقَائِمَةِ الْعُلْيَا بِمَا يُنَاسِبُهُ مِنَ الْقَائِمَةِ السُّفْلَى:

मैं नीचे की सूची से उपयुक्त वस्तु को चुन कर ऊपर की सूची से जोड़ता हूँ:

آخِرُ الْكَلِمَةِ مُنْفَصِلاً	آخِرُ الْكَلِمَةِ مُتَّصِلاً	وَسَطُ الْكَلِمَةِ	أَوَّلُ الْكَلِمَةِ	صَوْتُ الْحَرْفِ	اسْمُ الْحَرْفِ	رَسْمُ الْحَرْفِ

ع	عَ	عَيْنٌ	ع	عـ	ـعـ	ـع

- أَرْسُمُ دَائِرَةً حَوْلَ الْحَرْفِ (ع) ثُمَّ أَكْتُبُ الْكَلِمَةَ:

मैं अक्षर (ع) के चारों ओर एक वृत्त बनाता हूँ और फिर उसे लिखता हूँ:

عَـابَ	عَـبَـدَ	بَـعَـثَ	تَـبَـرَّعَ	شَـعَـرَ
عَابَ	عَبَدَ	بَعَثَ	تَبَرَّعَ	شَعَرَ
.....	.....	.....	.....	.....
.....	.....	.....	.....	.....

- أَقْرَأُ، ثُمَّ أُكْمِلُ الْحَرْفَ النَّاقِصَ:

मैं पढ़ता हूँ, तत्पश्चात अपूर्ण अक्षर को पूर्ण करता हूँ:

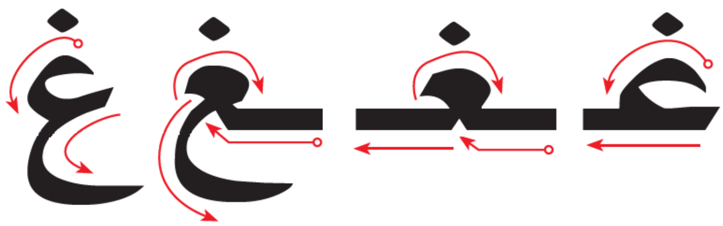
عَقْلٌ	سَعِيدٌ	وَاسِعٌ	تَعَلَّمَ	تَبَرَّعَ
...قْلٌ	سَـ...ـيدٌ	وَاسِـ...	تَـ...ـلَّمَ	تَبَرَّ...

رسم الحرف	اسمه		صوته
	عربي	हिंदी	
غ	غَيْنٌ	ग़ैन	غَ

أوَّل الكلمة आरंभ में	وسط الكلمة मध्य में	آخر الكلمة متَّصلاً अंत में जुड़ा हुआ	آخر الكلمة منفصلاً अंत में बिना जुड़ा हुआ
غـ	ـغـ	ـغ	غ

- كَيْفَ أَرْسُمُ الْحَرْفَ:

मैं किस प्रकार से अक्षर लिखता हूँ:



- أُسَمِّي الْحَرْفَ وَأُلَوِّنُهُ: मैं अक्षर का नामकरण करता हूँ तथा उसे रंगता हूँ:

غـ - ـغـ - ـغ - غ

- أُلَاحِظُ الْحَرْفَ وَأَكْتُبُهُ: मैं अक्षर को ध्यान से देखता हूँ फिर उसे लिखता हूँ:

غـ ـغـ ـغ غ غـ ـغـ ـغ غ

غـ ـغـ ـغ غ غـ ـغـ ـغ غ

....

....

- أَصِلُ مَا فِي الْقَائِمَةِ الْعُلْيَا بِمَا يُنَاسِبُهُ مِنَ الْقَائِمَةِ السُّفْلَى: मैं नीचे की सूची से उपयुक्त वस्तु को चुन कर ऊपर की सूची से जोड़ता हूँ:

رَسْمُ الْحَرْفِ	اسْمُ الْحَرْفِ	صَوْتُ الْحَرْفِ	أَوَّلُ الْكَلِمَةِ	وَسَطُ الْكَلِمَةِ	آخِرُ الْكَلِمَةِ مُتَّصِلاً	آخِرُ الْكَلِمَةِ مُنْفَصِلاً

غـ	ـغـ	ـغ	غ	غَيْنٌ	غَ	غ

- أَرْسُمُ دَائِرَةً حَوْلَ الْحَرْفِ (غ) ثُمَّ أَكْتُبُ الْكَلِمَةَ: मैं अक्षर (غ) के चारों ओर एक वृत्त बनाता हूँ और फिर उसे लिखता हूँ:

غَزَا رَاغَ صَغُرَ صَاغَ غَاصَ

غَزَا رَاغَ صَغُرَ صَاغَ غَاصَ

....

....

- أَقْرَأُ، ثُمَّ أُكْمِلُ الْحَرْفَ النَّاقِصَ: मैं पढ़ता हूँ, तत्पश्चात अपूर्ण अक्षर को पूर्ण करता हूँ:

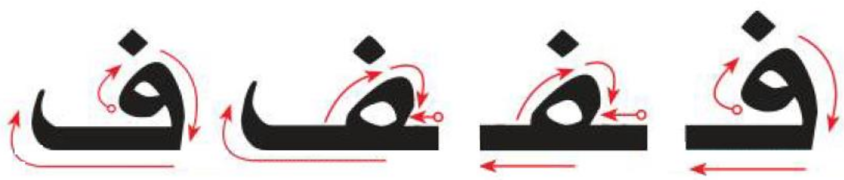
غُصْـنٌ	صِغَـارٌ	رُسْـغٌ	لَـدَغَ	إِغْـلاقٌ
...صْـنٌ	صِـ...ـارٌ	رُسْـ...	لَـدَ...	إِ...ـلاَقٌ

رسم الحرف	اسمه		صوته
	عربي	हिंदी	
ف	فَاءٌ	फ़ा	فَ

أوَّل الكلمة आरंभ में	وسط الكلمة मध्य में	آخر الكلمة متَّصلاً अंत में जुड़ा हुआ	آخر الكلمة منفصلاً अंत में बिना जुड़ा हुआ
فـ	ـفـ	ـف	ف

- كَـيْفَ أَرْسُمُ الْـحَـرْفَ:

मैं किस प्रकार से अक्षर लिखता हूँ:



- أَسَـمِّـي الْـحَـرْفَ وَأَلَـوِّنُـهُ:

मैं अक्षर का नामकरण करता हूँ तथा उसे रंगता हूँ:

فـ - ـفـ - ـف - ف

- أَلاَحِظُ الْـحَـرْفَ وَأَكْـتُـبُـهُ:

मैं अक्षर को ध्यान से देखता हूँ फिर उसे लिखता हूँ:

فـ ـفـ ـف ف فـ ـفـ ـف ف

فـ ـفـ ـف ف فـ ـفـ ـف ف

....

....

- أَصِلُ مَـا فِي الْقَائِـمَةِ الْعُلْيَا بِمَـا يُنَـاسِبُـهُ مِنَ الْقَـائِـمَةِ السُّفْلَى:

मैं नीचे की सूची से उपयुक्त वस्तु को चुन कर ऊपर की सूची से जोड़ता हूँ:

آخِرُ الْكَلِمَةِ مُنْفَصِلاً	آخِرُ الْكَلِمَةِ مُتَّصِلاً	وَسَطُ الْكَلِمَةِ	أَوَّلُ الْكَلِمَةِ	صَوْتُ الْحَرْفِ	اسْمُ الْحَرْفِ	رَسْمُ الْحَرْفِ
ف	ـفَ	فَاءٌ	فَ	فَ	فـ	فـ

- أَرْسُمُ دَائِـرَةً حَوْلَ الْـحَـرْفِ (ف) ثُـمَّ أَكْـتُـبُ الْكَـلِمَةَ: मैं अक्षर (ف) के चारों ओर एक वृत्त बनाता हूँ और फिर उसे लिखता हूँ:

رُفٌّ   فَـرَسٌ   نَـافِذَةٌ   نَـظّـفَ   ظَـرْفٌ

رُفٌّ   فَـرَسٌ   نَـافِذَةٌ   نَظّـفَ   ظَـرْفٌ

....

....

- أَقْـرَأُ، ثُـمَّ أُكْـمِـلُ الْـحَـرْفَ النَّـاقِـصَ: मैं पढ़ता हूँ, तत्पश्चात अपूर्ण अक्षर को पूर्ण करता हूँ:

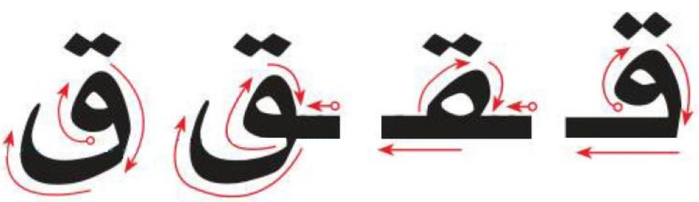
فَـوَّازٌ   خَـرُوفٌ   رُفُـوفٌ   الفِـيلُ   فَـقِـيـرٌ

...ـوَّازٌ   خَـرُو...   رُ...ـو...   الـ...ـيلُ   ...قِـيـرٌ

رسم الحرف	اسمه		صوته
	عربي	हिंदी	
ق	قَـاف	क़ाफ़	قَ

أوَّل الكلمة आरंभ में	وسط الكلمة मध्य में	آخر الكلمة متَّصلاً अंत में जुड़ा हुआ	آخر الكلمة منفصلاً अंत में बिना जुड़ा हुआ
قـ	ـقـ	ـق	ق

- كَـيْـفَ أَرْسُمُ الْـحَـرْفَ: मैं किस प्रकार से अक्षर लिखता हूँ:



- أُسَـمِّـي الْـحَـرْفَ وَأُلَـوِّنُـهُ: मैं अक्षर का नामकरण करता हूँ तथा उसे रंगता हूँ:

قـ - ـقـ - ـق - ق

- أَلاَحِظُ الْـحَـرْفَ وَأَكْـتُـبُـهُ:

मैं अक्षर को ध्यान से देखता हूँ फिर उसे लिखता हूँ:

قـ ـقـ ـق ق قـ ـقـ ـق ق

قـ ـقـ ـق ق قـ ـقـ ـق ق

....

....

- أَصِلُ مَـا فِي الْقَائِـمَةِ الْعُـلْيَا بِـمَا يُـنَـاسِـبُـهُ مِنَ الْـقَـائِـمَـةِ السُّفْلَـى:

मैं नीचे की सूची से उपयुक्त वस्तु को चुन कर ऊपर की सूची से जोड़ता हूँ:

رَسْمُ الْحَرْفِ	اسْمُ الْحَرْفِ	صَوْتُ الْحَرْفِ	أَوَّلُ الْكَلِمَةِ	وَسَطُ الْكَلِمَةِ	آخِرُ الْكَلِمَةِ مُتَّصِلاً	آخِرُ الْكَلِمَةِ مُنْفَصِلاً

قـ	ـقـ	قَ	ق	قَافٌ	قَ	ق

- أَرْسُمُ دَائِـرَةً حَوْلَ الْـحَـرْفِ (ق) ثُـمَّ أَكْـتُـبُ الْكَـلِمَةَ:

मैं अक्षर (ق) के चारों ओर एक वृत्त बनाता हूँ और फिर उसे लिखता हूँ:

قَـرَأَ عَقِـبَ صَـدَقَ بَـرْقٌ قَـصَـصٌ

قَـرَأَ عَقِبَ صَدَقَ بَـرْقٌ قَصَصٌ

....

....

- أَقْـرَأُ، ثُـمَّ أُكْـمِلُ الْـحَـرْفَ النَّـاقِـصَ:

मैं पढ़ता हूँ, तत्पश्चात अपूर्ण अक्षर को पूर्ण करता हूँ:

قُـرْآنٌ يَـقْـفِزُ فَـوْق مَقَاعِدُ بُـنْـدُق

...ـرْآنٌ   يَـ...ـفِزُ   فَـوْ...   مَـ...ـاعِدُ   بُنْـدُ...

رسم الحرف	اسمه		صوته
	عربي	हिंदी	
ك	كَـــافٌ	काफ़	كَ

أوّل الكلمة आरंभ में	وسط الكلمة मध्य में	آخر الكلمة متّصلاً अंत में जुड़ा हुआ	آخر الكلمة منفصلاً अंत में बिना जुड़ा हुआ
كـ	ـكـ	ـك	ك

- كَـيْفَ أَرْسُمُ الْـحَـرْفَ: मैं किस प्रकार से अक्षर लिखता हूँ:



- أَسَـمِّـي الْـحَـرْفَ وَأَلَـوِّنُـهُ: मैं अक्षर का नामकरण करता हूँ तथा उसे रंगता हूँ:

كـ - ـكـ - ـك - ك

- أَلاَحِظُ الْـحَـرْفَ وَأَكْـتُـبُـهُ: मैं अक्षर को ध्यान से देखता हूँ फिर उसे लिखता हूँ:

كـ   كـ   ـك   ـك   كـ   كـ   ـك   ـك

كـ   كـ   ـك   ـك   كـ   كـ   ـك   ـك

....

....

- أَصِلُ مَـا فِي الْقَـائِمَةِ الْعُلْـيَا بِمَـا يُنَـاسِبُـهُ مِنَ الْـقَـائِمَـةِ السُّفْلَـى: मैं नीचे की सूची से उपयुक्त वस्तु को चुन कर ऊपर की सूची से जोड़ता हूँ:

رَسْمُ الْحَرْفِ	اسْمُ الْحَرْفِ	صَوْتُ الْحَرْفِ	أَوَّلُ الْكَلِمَةِ	وَسَطُ الْكَلِمَةِ	آخِرُ الْكَلِمَةِ مُتَّصِلاً	آخِرُ الْكَلِمَةِ مُنْفَصِلاً

کـ	ـکـ	ـك	ك	كَافٌ	كَ	ك

- أَرْسُمُ دَائِـرَةً حَوْلَ الْحَـرْفِ (ك) ثُـمَّ أَكْـتُـبُ الْكَـلِمَةَ:

मैं अक्षर (ك) के चारों ओर एक वृत्त बनाता हूँ और फिर उसे लिखता हूँ:

كِتَابٌ	كَثُرَ	ضَحِكَ	شَكَرَ	رِكَابٌ
كِتَابٌ	كَثُرَ	ضَحِكَ	شَكَرَ	رِكَابٌ
.....	.....	.....	.....	.....
.....	.....	.....	.....	.....

- أَقْـرَأُ، ثُـمَّ أُكْـمِـلُ الْـحَـرْفَ النَّـاقِـصَ:

मैं पढ़ता हूँ, तत्पश्चात अपूर्ण अक्षर को पूर्ण करता हूँ:

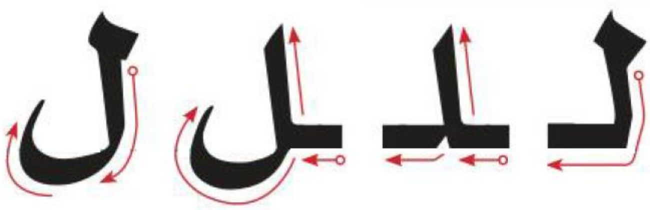
كِتَابٌ	مِسْكِينٌ	مِسْكٌ	شَوْكٌ	شُكْرٌ
...تَابٌ	مِسْـ...ـيـنٌ	مِسْـ...	شَـوْ...	شُـ...ـرٌ

رسم الحرف	اسمه		صوته
	عربي	हिंदी	
ل	لاَمٌ	लाम	لَ

أوّل الكلمة आरंभ में	وسط الكلمة मध्य में	آخر الكلمة متّصلاً अंत में जुड़ा हुआ	آخر الكلمة منفصلاً अंत में बिना जुड़ा हुआ
لـ	ـلـ	ـل	ل

- كَـيْفَ أَرْسُمُ الْـحَـرْفَ:

मैं किस प्रकार से अक्षर लिखता हूँ:



- أُسَـمِّـي الْـحَـرْفَ وَأُلَـوِّنُـهُ:

मैं अक्षर का नामकरण करता हूँ तथा उसे रंगता हूँ:

ل - ـل - ـلـ - لـ

- أَلاَحِظُ الْـحَـرْف وَأَكْـتُـبُـهُ: मैं अक्षर को ध्यान से देखता हूँ फिर उसे लिखता हूँ:

لـ ـلـ ـل ل لـ ـلـ ـل ل

لـ ـلـ ـل ل لـ ـلـ ـل ل

....

....

- أَصِلُ مَـا فِي الْقَائِـمَةِ الْعُلْيَا بِمَا يُنَاسِبُهُ مِنَ الْقَـائِـمَةِ السُّفْلَى: मैं नीचे की सूची से उपयुक्त वस्तु को चुन कर ऊपर की सूची से जोड़ता हूँ:

رَسْمُ الْحَرْفِ	اسْمُ الْحَرْفِ	صَوْتُ الْحَرْفِ	أَوَّلُ الْكَلِمَةِ	وَسَطُ الْكَلِمَةِ	آخِرُ الْكَلِمَةِ مُتَّصِلاً	آخِرُ الْكَلِمَةِ مُنْفَصِلاً
لـ	ـلـ	ـل	ل	لاَمٌ	لَ	ل

- أَرْسُمُ دَائِـرَةً حَوْلَ الْـحَـرْفِ (ل) ثُـمَّ أَكْـتُـبُ الْكَـلِمَةَ: मैं अक्षर (ل) के चारों ओर एक वृत्त बनाता हूँ और फिर उसे लिखता हूँ:

لاَذَا جَلَسَ غَسَلَ حَقْلٌ لَحِقَ

لاَذَا جَلَسَ غَسَلَ حَقْلٌ لَحِقَ

....

....

- أَقْـرَأُ، ثُـمَّ أُكْـمِلُ الْـحَـرْفَ النَّـاقِصَ: मैं पढ़ता हूँ, तत्पश्चात अपूर्ण अक्षर को पूर्ण करता हूँ:

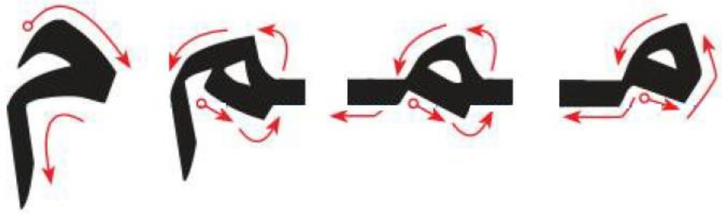
لَيْمُونٌ مِلْحٌ طَوِيلٌ جَمَلٌ جِبَالٌ

...يْـمُونٌ مِـ...ـحٌ طَـوِيـ... جَمَـ... جِبَـا...

رسم الحرف	اسمه عربي	اسمه हिंदी	صوته
م	مِيمٌ	मीम	مَ

أوّل الكلمة आरंभ में	وسط الكلمة मध्य में	آخر الكلمة متّصلاً अंत में जुड़ा हुआ	آخر الكلمة منفصلاً अंत में बिना जुड़ा हुआ
مـ	ـمـ	ـم	م

– كَـيْفَ أَرْسُمُ الْـحَـرْفَ:
मैं किस प्रकार से अक्षर लिखता हूँ:



– أُسَـمِّـي الْـحَـرْفَ وَأُلَـوِّنُـهُ:
मैं अक्षर का नामकरण करता हूँ तथा उसे रंगता हूँ:

مـ - ـمـ - ـم - م

– أُلَاحِظُ الْـحَـرْفَ وَأَكْـتُـبُـهُ:
मैं अक्षर को ध्यान से देखता हूँ फिर उसे लिखता हूँ:

مـ ـمـ ـم م مـ ـمـ ـم م

مـ ـمـ ـم م مـ ـمـ ـم م

....

....

– أَصِـلُ مَـا فِي الْـقَـائِـمَـةِ الْـعُلْـيَـا بِـمَـا يُـنَـاسِـبُـهُ مِنَ الْـقَـائِـمَـةِ السُّفْلَـى:
मैं नीचे की सूची से उपयुक्त वस्तु को चुन कर ऊपर की सूची से जोड़ता हूँ:

رَسْمُ الْحَرْفِ	اسْمُ الْحَرْفِ	صَوْتُ الْحَرْفِ	أَوَّلُ الْكَلِمَةِ	وَسَطُ الْكَلِمَةِ	آخِرُ الْكَلِمَةِ مُتَّصِلاً	آخِرُ الْكَلِمَةِ مُنْفَصِلاً
مـ	ـمـ	ـم	م	مِيمٌ	مَ	م

- أَرْسُمُ دَائِرَةً حَوْلَ الْحَرْفِ (م) ثُمَّ أَكْتُبُ الْكَلِمَةَ:

मैं अक्षर (م) के चारों ओर एक वृत्त बनाता हूँ और फिर उसे लिखता हूँ:

مَكَّةُ	فَاطِمَةُ	أَقْلَامٌ	أُمٌّ	رَسَمَ
مَكَّةُ	فَاطِمَةُ	أَقْلَامٌ	أُمٌّ	رَسَمَ
.....	.....	.....	.....	.....
.....	.....	.....	.....	.....

- أَقْرَأُ، ثُمَّ أُكْمِلُ الْحَرْفَ النَّاقِصَ:

मैं पढ़ता हूँ, तत्पश्चात अपूर्ण अक्षर को पूर्ण करता हूँ:

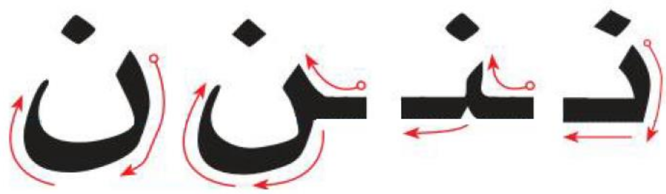
مَسْجِدٌ	جَمَلٌ	ثُومٌ	قَلَمٌ	مُحَمَّدٌ
...سْجِدٌ	جَـ...ـلٌ	ثُـو...	قَلَـ...	...حَـ...ـدٌ

رسم الحرف	اسمه		صوته
	عربي	हिंदी	
ن	نُـونٌ	नून	نَ

أوّل الكلمة आरंभ में	وسط الكلمة मध्य में	آخر الكلمة متّصلاً अंत में जुड़ा हुआ	آخر الكلمة منفصلاً अंत में बिना जुड़ा हुआ
نـ	ـنـ	ـن	ن

- كَـيْفَ أَرْسُمُ الْحَرْفَ:

मैं किस प्रकार से अक्षर लिखता हूँ:



- أُسَمِّي الْحَرْفَ وَأُلَوِّنُهُ:

मैं अक्षर का नामकरण करता हूँ तथा उसे रंगता हूँ:

نـ - ـنـ - ـن - ن

- أَلاَحِظُ الْـحَـرْفَ وَأَكْـتُـبُـهُ:

मैं अक्षर को ध्यान से देखता हूँ फिर उसे लिखता हूँ:

نـ ـنـ ـن ن نـ ـنـ ـن ن

نـ ـنـ ـن ن نـ ـنـ ـن ن

....

....

- أَصِـلُ مَـا فِي الْـقَائِـمَةِ الْـعُـلْيَا بِـمَا يُـنَـاسِـبُـهُ مِنَ الْـقَـائِـمَـةِ السُّـفْلَـى:

मैं नीचे की सूची से उपयुक्त वस्तु को चुन कर ऊपर की सूची से जोड़ता हूँ:

رَسْمُ الْحَرْفِ	اسْمُ الْحَرْفِ	صَوْتُ الْحَرْفِ	أَوَّلُ الْكَلِمَةِ	وَسَطُ الْكَلِمَةِ	آخِرُ الْكَلِمَةِ مُتَّصِلاً	آخِرُ الْكَلِمَةِ مُنْفَصِلاً

نـ	ـنـ	ـن	ن	نُـونٌ	نَ	ن

- أَرْسُمُ دَائِـرَةً حَوْلَ الْـحَـرْفِ (ن) ثُـمَّ أَكْـتُـبُ الْكَـلِمَةَ:

मैं अक्षर (ن) के चारों ओर एक वृत्त बनाता हूँ और फिर उसे लिखता हूँ:

نَـقْـدٌ عِـنَـبٌ ثُـعْـبَـانٌ نَـحْـنُ أَمَـانٌ

نَقْدٌ عِنَبٌ ثُعْبَانٌ نَحْنُ أَمَانٌ

....

....

- أَقْـرَأُ، ثُـمَّ أُكْـمِـلُ الْـحَـرْفَ النَّـاقِـصَ:

मैं पढ़ता हूँ, तत्पश्चात अपूर्ण अक्षर को पूर्ण करता हूँ:

مَـنْ نَـحْـنُ تَـكْـنُـسُ مِـيزَانٌ مَـنْـزِلٌ

مَـ...   ...حْـ...   تَـكْـ...سُ   مِـيزَا...   مَـ...زِلٌ

رسم الحرف	اسمه عربي	اسمه हिंदी	صوته
هـ	هَـاءٌ	हा	هَـ

أوّل الكلمة आरंभ में	وسط الكلمة मध्य में	آخر الكلمة متّصلاً अंत में जुड़ा हुआ	آخر الكلمة منفصلاً अंत में बिना जुड़ा हुआ
هـ	ـهـ	ـه	ه

- كَـيْفَ أَرْسُمُ الْـحَـرْفَ: मैं किस प्रकार से अक्षर लिखता हूँ:



- أُسَـمِّـي الْـحَـرْفَ وَأُلَـوِّنُـهُ: मैं अक्षर का नामकरण करता हूँ तथा उसे रंगता हूँ:

هـ - ـهـ - ـه - ه

- أُلاَحِظُ الْـحَـرْفَ وَأَكْـتُـبُـهُ: मैं अक्षर को ध्यान से देखता हूँ फिर उसे लिखता हूँ::

هـ   ـهـ   ـه   ه   هـ   ـهـ   ـه   ه

هـ   ـهـ   ـه   ه   هـ   ـهـ   ـه   ه

....

....

- أَصِلُ مَـا فِي الْقَائِـمَةِ الْعُلْيَا بِمَا يُنَاسِبُهُ مِنَ الْقَـائِـمَةِ السُّفْلَى: मैं नीचे की सूची से उपयुक्त वस्तु को चुन कर ऊपर की सूची से जोड़ता हूँ:

رَسْمُ الْحَرْفِ	اسْمُ الْحَرْفِ	صَوْتُ الْحَرْفِ	أَوَّلُ الْكَلِمَةِ	وَسَطُ الْكَلِمَةِ	آخِرُ الْكَلِمَةِ مُتَّصِلاً	آخِرُ الْكَلِمَةِ مُنْفَصِلاً
هـ	ـهـ	ـه	ه	هَاءٌ	هَـ	هـ

- أَرْسُمُ دَائِـرَةً حَـوْلَ الْـحَـرْفِ (هـ) ثُـمَّ أَكْـتُـبُ الْكَـلِـمَةَ:

मैं अक्षर (هـ) के चारों ओर एक वृत्त बनाता हूँ और फिर उसे लिखता हूँ:

هَذَا	مُنَبِّهٌ	كَـهْـفٌ	مَهَـا	فَـهْـدٌ
هَذَا	مُنَبِّهٌ	كَـهْفٌ	مَهَا	فَـهْدٌ
.....	.....	.....	.....	.....
.....	.....	.....	.....	.....

- أَقْـرَأُ، ثُـمَّ أُكْـمِـلُ الْـحَـرْفَ النَّـاقِـصَ:

मैं पढ़ता हूँ, तत्पश्चात अपूर्ण अक्षर को पूर्ण करता हूँ:

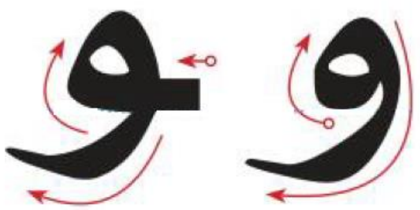
وَجْـهٌ	هَـذِهِ	اللهُ	سَـهْـمٌ	هُدْهُدٌ
وَجْـ...	...ذِ...	اللّـ...	سَـ...ـمٌ	...دْ...دٌ

رسم الحرف	اسمه: عربي	اسمه: हिंदी	صوته
و	وَاوٌ	वाव	وَ

أوَّل الكلمة आरंभ में	وسط الكلمة मध्य में	آخر الكلمة متَّصلاً अंत में जुड़ा हुआ	آخر الكلما منفصلاً अंत में बिना जुड़ा हुआ
و	ـو	ـو	و

- كَـيْـفَ أَرْسُمُ الْـحَـرْفَ:

मैं किस प्रकार से अक्षर लिखता हूँ:



- أُسَـمِّـي الْـحَـرْفَ وَأُلَـوِّنُـهُ:

मैं अक्षर का नामकरण करता हूँ तथा उसे रंगता हूँ:

و - ـو - و - ـو - و

- أَلاَحِظُ الْـحَـرْفَ وَأَكْـتُـبُـهُ: मैं अक्षर को ध्यान से देखता हूँ फिर उसे लिखता हूँ:

و ـو و ـو و ـو و ـو

و ـو و ـو و ـو و ـو

....

....

- أَصِـلُ مَـا فِي الْقَائِـمَةِ الْعُلْيَا بِمَا يُنَاسِبُهُ مِنَ الْقَائِـمَةِ السُّفْلَى: मैं नीचे की सूची से उपयुक्त वस्तु को चुन कर ऊपर की सूची से जोड़ता हूँ:

رَسْمُ الْحَرْفِ	اسْمُ الْحَرْفِ	صَوْتُ الْحَرْفِ	أَوَّلُ الْكَلِمَةِ	وَسَطُ الْكَلِمَةِ	آخِرُ الْكَلِمَةِ مُتَّصِلاً	آخِرُ الْكَلِمَةِ مُنْفَصِلاً

و	ـو	ـو	وَاوٌ	وَ	و	و

- أَرْسُمُ دَائِـرَةً حَوْلَ الْـحَرْفِ (و) ثُـمَّ أَكْـتُـبُ الْكَـلِمَةَ: मैं अक्षर (و) के चारों ओर एक वृत्त बनाता हूँ और फिर उसे लिखता हूँ:

وَجْـهٌ لَـوْزٌ سَـهْـوٌ جَـرْوٌ طَـاوُوسٌ

وَجْـهٌ لَوْزٌ سَهْـوٌ جَـرْوٌ طَاوُوسٌ

....

....

- أَقْـرَأُ، ثُـمَّ أَكْـمِلُ الْـحَـرْفَ النَّـاقِصَ: मैं पढ़ता हूँ, तत्पश्चात अपूर्ण अक्षर को पूर्ण करता हूँ:

وُرُودٌ دَوَاءٌ لَـيْمُونٌ تَـبُوكُ دَلْـــوٌ

الدَّرس السَّابع والعشرون – حرف الواو

رُ...دٌّ   دَ...اءٌ   لَيْمُـ...نٌ   تَبُـ...كَ   دَلْــــ...

رسم الحرف	اسمه		صوته
	عربي	हिंदी	
ي	يَـاءٌ	या	يَ

أوّل الكلمة आरंभ में	وسط الكلمة मध्य में	آخر الكلمة متَّصلاً अंत में जुड़ा हुआ	آخر الكلمة منفصلاً अंत में बिना जुड़ा हुआ
يـ	ـيـ	ـي	ي

- كَـيْفَ أَرْسُمُ الْـحَـرْفَ:
मैं किस प्रकार से अक्षर लिखता हूँ:



- أُسَـمِّـي الْـحَـرْفَ وَأُلَـوِّنُـهُ:
मैं अक्षर का नामकरण करता हूँ तथा उसे रंगता हूँ:

يـ - ـيـ - ـي - ي

- أُلاَحِظُ الْـحَـرْفَ وَأَكْـتُـبُـهُ:
मैं अक्षर को ध्यान से देखता हूँ फिर उसे लिखता हूँ:

يـ   ـيـ   ـي   ي   يـ   ـيـ   ـي   ي

يـ   ـيـ   ـي   ي   يـ   ـيـ   ـي   ي

....

....

- أَصِلُ مَـا فِي الْـقَائِـمَةِ الْـعُلْـيَا بِمَا يُـنَـاسِبُـهُ مِنَ الْـقَـائِـمَـةِ السُّفْلَى:
मैं नीचे की सूची से उपयुक्त वस्तु को चुन कर ऊपर की सूची से जोड़ता हूँ:

رَسْمُ الْحَرْفِ	اسْمُ الْحَرْفِ	صَوْتُ الْحَرْفِ	أَوَّلُ الْكَلِمَةِ	وَسَطُ الْكَلِمَةِ	آخِرُ الْكَلِمَةِ مُتَّصِلاً	آخِرُ الْكَلِمَةِ مُنْفَصِلاً

يـ	ـيـ	ـي	ي	يَـاءٌ	يَ	ي

- أَرْسُمُ دَائِـرَةً حَـوْلَ الْـحَـرْفِ (ي) ثُـمَّ أَكْـتُـبُ الْكَـلِمَةَ:

मैं अक्षर (ي) के चारों ओर एक वृत्त बनाता हूँ और फिर उसे लिखता हूँ:

يَـدٌ طُـيُـورٌ رِيَـاضَـةٌ صَـبِـيٌّ رَأْيٌ

يَـدٌ طُيُورٌ رِيَاضَةٌ صَـبِـيٌّ رَأْيٌ

....

....

- أَقْـرَأُ، ثُـمَّ أَكْـمِـلُ الْـحَـرْفَ النَّـاقِـصَ:

मैं पढ़ता हूँ, तत्पश्चात अपूर्ण अक्षर को पूर्ण करता हूँ:

يَجْرِي يَـاسَمِـيـنُ سَمِـيـكٌ كُـرْسِـيٌّ جَـدْيٌ

...جْـرِ... ...اسَمِـ...نُ سَمِـ...كٌ كُـرْسِـ... جَـدْ...

- أَقْرَأُ الْحُرُوفَ الْمُرَكَّـبَةَ وَأَكْـتُبُهَا:

मैं मिश्रित अक्षर पढ़ता हूँ और फिर उन्हें लिखता हूँ:

ا ل لا لا لح

....

لج لا با يب نت

....

تث تح يج بين ثلث

....

تين	يد	بـر	نو	يس
......	......	......	......	......
نس	حب	جت	جا	حـا
......	......	......	......	......
خذ	حد	تحت	نجب	يحب
......	......	......	......	......

س	ش	سا	شا	سـل
......	......	......	......	......
سلم	سبل	ص	ض	صا
......	......	......	......	......
ضا	صد	ضد	يضع	نصف
......	......	......	......	......
يض	طا	ظا	حطت	طيب
......	......	......	......	......
طير	طبع	طلح	ظهر	ظلم
......	......	......	......	......

عا	غا	عتل	عيل	عبر
......	......	......	......	......
عين	عتو	غير	غيب	بعد
......	......	......	......	......
تغد	سمع	فا	قا	يقه
......	......	......	......	......
قبل	فتم	قيب	ضيف	كا
......	......	......	......	......
كا	كب	تكن	كبو	ليك
......	......	......	......	......
ما	منو	يمو	حيم	ها
......	......	......	......	......
هب	هذ	هبو	يهد	ليه
......	......	......	......	......

- أَكْتُبُ الْكَلِمَاتِ التَّالِيَةَ:

मैं निम्नांकित शब्दों को लिखता हूँ:

أَرْنَبُ	نَشَأَ	رَأسُ	الأَسَدُ	كِتَابٌ
....	....	....	....	....
بَحْرٌ	جَبَلٌ	كِتَابٌ	ذَهَبَ	يَبْتَعِدُ
....	....	....	....	....
تُوتٌ	بُسْتَانٌ	مُفِيدَةٌ	سَلّةٌ	أَرَتِّبُ
....	....	....	....	....
ثَوْبٌ	مِثَالٌ	مُثَلّثٌ	أَثَاثٌ	ثَلاَثَةٌ
....	....	....	....	....
جَمَلٌ	مَسَاجِدُ	فِجْلٌ	زُجَاجٌ	مُتَوَهِّجٌ
....	....	....	....	....
رِحْلَةٌ	تِمْسَاحٌ	لَحِقَ	يَسْبَحُ	بُحَيْرَةٌ
....	....	....	....	....

خُوخٌ	بُخُورٌ	دَاخِلٌ	نَسَخَ	مُنَاخٌ
....	....	....	....	....
دُمْيَةٌ	وَلَدٌ	نَادِرٌ	صَدِيقٌ	قِرْدٌ
....	....	....	....	....
مُنْقِذٌ	ذَكِيٌّ	أُذُنٌ	رَذَاذٌ	لَذِيذٌ
....	....	....	....	....
بَرْدٌ	رِحْلَةٌ	نَادِرٌ	رَبِّي	الْمُرُورُ
....	....	....	....	....
زَرَافَةٌ	فَازَ	حِزَامٌ	غَزَالٌ	عَزِيزٌ

....
سَفِـيـنَـةٌ مُـشْـمِـسٌ حَـارِسٌ رَسَـمَ يَـسُـوقُ
....

مِـشْـمِـشٌ شَـرَعَ فِـرَاشٌ عَـطِـشَ عُـشٌّ
....
صُـورَةٌ عَـصِـيـرٌ بَـصَـلٌ صِـحَّـةٌ قَـصَـصٌ
....
مَـرِيـضٌ حَـضَـرَ ضِـرْسٌ فَـرْضٌ رَضِـيـعٌ
....
طَـيْـرٌ بَـطَّـةٌ سَـوْطٌ قِـطٌّ شَـرْطٌ
....
ظِـلٌّ مِـظَـلَّـةٌ ظُـفْـرٌ غَـلِـيـظٌ مَـحْـفُـوظٌ
....
عَـقْـلٌ سَـعِـيـدٌ وَاسِـعٌ تَـعَـلَّـمَ تَـبَـرَّعَ
....

غُـصْـنٌ صِـغَـارٌ رُسْـغٌ لَـدَغَ إِغْـلَاقٌ
....
فَـوَّازٌ خَـرُوفٌ رُفُـوفٌ الْـفِـيـلُ فَـقِـيـرٌ
....

قُرْآنٌ يَقْفِزُ فَوْقَ مَقَاعِدُ بُنْدُقٌ

....

كِتَابٌ مِسْكِينٌ مِسْكٌ شَوْكٌ شُكْرٌ

....

لَيْمُونٌ مِلْحٌ طَوِيلٌ جَمَلٌ جِبَالٌ

....

مَسْجِدٌ جَمَلٌ ثُومٌ قَلَمٌ مُحَمَّدٌ

....

مَنْ نَحْنُ تَكْنُسُ مِيزَانٌ مَنْزِلٌ

....

وَجْهُ هَذِهِ اللّٰهُ سَهْمٌ هُدْهُدٌ

....

وُرُودٌ دَوَاءٌ لَيْمُونٌ تَبُوكُ كَاكَاوٌ

....

يَجْرِي يَاسَمِينٌ سَمِيكٌ كُرْسِيٌّ جَدْيٌ

....

الأَرْضُ السَّمَوَاتُ الْقُرْآنُ رَسُولٌ الْقَيُّومُ

....

الرَّحِيمُ الْقُدُّوسُ نُوحٌ إِبْرَاهِيمُ الْفَاتِحَةُ

....

الْحَرَكَاتُ فِي اللُّغَةِ الْعَرَبِيَّةِ ثَلاَثَةٌ: الْفَتْحَةُ وَالضَّمَّةُ وَالْكَسْرَةُ، وَيَخْتَلِفُ مَعَهَا نُطْقُ الْحَرْفِ كَمَا فِي الأَمْثِلَةِ التَّالِيَةِ:

अरबी भाषा में तीन मात्रा होते हैं। फ़त्हा (◌ा), ज़म्मा (◌ु ◌ु), एवं कसरा (ि◌ि) और जब स्वर, व्यंजन से मिलते हैं तो उनका स्वरुप बदल जाता है निम्नलिखित उदाहरणों में उसे देखा जा सकता है:

الحرف مع الفتحة			الحرف مع الضمّة			الحرف مع الكسرة		
الْحَرْف	الأَمْثِلَة		الْحَرْف	الأَمْثِلَة		الْحَرْف	الأَمْثِلَة	
أَ	أَكَلَ	أَخَذَ	أُ	أُكِلَ	مَسْؤُولٌ	إِ	إِنَابَةٌ	سُئِلَ
بَ	بَرَدَ	بَرَزَ	بُ	بُذُورٌ	بُقَرَ	بِ	سَبِيلٌ	سُبِقَ
تَ	تَوْبَةٌ	كِتَابٌ	تُ	تُبِعَ	عَائِشَةُ	تِ	سُتِرَ	تِلْكَ
ثَ	ثَبَتَ	ثَرِيدٌ	ثُ	ثُقِبَ	ثُومٌ	ثِ	ثِيَابٌ	أَثِمَ
جَ	جَرَدَ	جَزَمَ	جُ	جُبِرَ	مَسْجُورٌ	جِ	جِمَالٌ	يَجِيءُ
حَ	حَزَمَ	حَرَثَ	حُ	حُمِلَ	لُحُومٌ	حِ	رَحِيمٌ	حِبَالٌ
خَ	خَرَجَ	خَدَمَ	خُ	خُبِزَ	يَدْخُلُ	خِ	بَخِيلٌ	أَخِي
دَ	دَرَسَ	دَأَبَ	دُ	دُفِعَ	مُدِيرٌ	دِ	نَدِمَ	دِمَاءٌ
ذَ	ذَرَفَ	ذَهَبَ	ذُ	ذُكِرَ	يَلُوذُ	ذِ	أَذِنَ	ذِكْرٌ
رَ	رَدَمَ	رَزَقَ	رُ	رُفِعَ	خُرُوجٌ	رِ	مَرِحَ	رِمَاحٌ
زَ	زَرَافَةٌ	زَأَرَ	زُ	زُرِعَ	يَزُورُ	زِ	زِينَةٌ	نَزِيلٌ
سَ	سَرَدَ	سَكَنَ	سُ	سُجُودٌ	سُمِعَ	سِ	أَسِفَ	غَسِيلٌ
شَ	شَرَحَ	شَكَرَ	شُ	شُرِبَ	شُورَى	شِ	شِبْلٌ	شِرَاعٌ
صَ	صَدَعَ	صَدَقَ	صُ	صُبِغَ	يَصُومُ	صِ	لَصِقَ	مَصِيرٌ

ضَ	ضَـرَعَ	ضَبَـابٌ	ضُ	ضُـرِبَ	فُضُـولٌ	ضِ	ضِـرْسُ	ضِـرَارٌ
طَ	طَـحَـنَ	طَـرَقَ	طُ	طُـرِدَ	يَطُـوفُ	طِ	فَـطِـنَ	يَطِيـرُ
ظَ	ظَـرْفٌ	ظَـبْـيٌ	ظُ	ظُـلِـمَ	يَغِيـظُ	ظِ	ظِـلٌّ	عَظِيـمٌ
عَ	عَـرَضَ	عَـدَلَ	عُ	عُـرِفَ	صُـعُـودٌ	عِ	لَـعِـبَ	سَعِيـرٌ
غَ	غَـرَسَ	غَـزَالٌ	غُ	غُـبَـارٌ	يَسُـوغُ	غِ	غِـرْبَـانٌ	صَغِيـرٌ
فَ	فَـرَضَ	دَفَـنَ	فُ	فُـتِـحَ	رُفُـوفٌ	فِ	فِـيـلٌ	تَفِيضُ
قَ	قَـذَفَ	قَـسَـمَ	قُ	قُـتِـلَ	سُقُـوطٌ	قِ	قِـرَاءَةٌ	ثَقِيـلٌ
كَ	كَـتَـبَ	كَـامِـلٌ	كُ	كُـسِـرَ	شُكُـوكٌ	كِ	كِسْرَةٌ	كِـتَـابَـةٌ
لَ	لَيْمُـونٌ	كَـلاَمٌ	لُ	لُـمِـسَ	يَلُـومُ	لِ	سَـلِـمَ	كَـلِيـمٌ
مَ	مَـوْزٌ	سَمَـاءٌ	مُ	مُـنِـحَ	تُمُـورٌ	مِ	مِـنْـطَـادٌ	أَمِيـرٌ
نَ	نَـزَلَ	نَـذَرَ	نُ	نُـحِـرَ	فُنُـونٌ	نِ	نِـدٌّ	مُنِيـرٌ
هَـ	هَـجَـرَ	هَـدَفٌ	هُـ	هُجُـومٌ	سَهُـلَ	هِـ	فَـهِـمَ	مَـهِـيـبٌ
وَ	وَزَنَ	وَرَدَ	وُ	وُعِـدَ	وُصُـولٌ	وِ	قَـوِيٌ	يَـهْـوِي
يَ	يَـدٌ	يَدْرُسُ	يُ	يُصَلِّـي	سُيُـولٌ	يِ	أَيِـسَ	مَـصَايِفُ

- أَصِـلُ الْكَلِمَةَ بِالْحَرْفِ الْمُنَاسِبِ لَهَا:

मैं प्रत्येक शब्द को उसके उचित संबंधित अक्षर से जोड़ता हूं:

مُهَنَّدٌ	فَاطِمَةُ	مِشْعَلٌ	بِلاَدِي	مَكْـتَبَةٌ	تُرَتِّبُ
بِـ	بَـ	بُـ	مَـ	مِـ	مُـ
لِمَاذَا	جَلَسَ	يَغْسِلُ	دَرَجَ	دُمْيَةٌ	حَدِيقَةٌ
دُ	دَ	دِ	لِـ	لَـ	لُ

نَمُرٌّ	تَكْـنُسُ	نِظَامٌ	رَحْبٌ	فَرِحَ	يُسَافِرُ
ـرُ	ـرِ	رَ	نَـ	نِـ	نُـ
صَدِيقٌ	عَصِيرٌ	أَحْرِصُ	فُصُولٌ	فَرَحٌ	نَافِذَةٌ
صِـ	فُـ	فِـ	صَـ	صُ	فَـ
سَاحَ	وَاسِعٌ	أَدْرُسُ	قَرَأَ	قِصَصٌ	عُقُولٌ
قَـ	قُـ	سَـ	سِـ	سُ	قِـ
تَـرْمِي	تُفَّاحٌ	تِـيـنٌ	حُسَامٌ	لَحِقَ	حَكَـمَ
تِـ	حُـ	حَـ	تَـ	تُـ	حِـ
أَنَـا	أُحِبُّ	إِبْرَاهِيمُ	طُيُورٌ	مَطَرٌ	عَطِرَةٌ
أَ	طُـ	طِـ	طَـ	أُ	إِ
زُهَيْرٌ	زِيَادٌ	زَارَ	وَلِـيدٌ	وِجْدَانٌ	وُصِلَ
زَ	وَ	وُ	وِ	زُ	زِ
جَمِيلٌ	جُسُورٌ	مَسَاجِدُ	شَمْسٌ	شُرُوقٌ	شِرَاعٌ
شَـ	شِـ	جَـ	جِـ	جُـ	شُـ

ضِرْسٌ	يَضُرُّ	نَهَضَ	عُبُورٌ	تَعَلَّمَ	قَوَاعِدُ
ضُـ	ضِـ	عُـ	عِـ	ضَ	عَـ
كَسَرَ	كُـرَةٌ	كِـسْرَةٌ	خَرِيرٌ	خُضَارٌ	خِيَارٌ
خَـ	خُـ	كُـ	كَـ	خِـ	كِـ
يَذْهَبُ	يُحِبُّ	أَيِسَ	حَذِرِينَ	ذُبَابٌ	ذَكِـيٌّ
يِـ	ذَ	ذِ	ذُ	يَـ	يُـ
هَوَاءٌ	زَاهِيَةٌ	هُمْ	كَـثِيـرٌ	يَتَحَدَّثُ	ثَعْلَبٌ
هُـ	ثِـ	ثُ	هِـ	ثَـ	هَـ
غَزَالٌ	صَغِيرٌ	غُرُوبٌ	مِظَلَّةٌ	نَظِيفٌ	يُحَافِظُ
غِـ	غُـ	ظَـ	ظِـ	ظُـ	غَـ

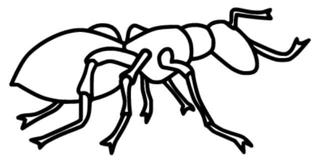
- أَرَتِّبُ الْحُرُوفَ لِأُشَكِّلَ كَلِمَةً:

मैं शब्द बनाने के लिए अक्षरों को एक क्रम में जोड़ता हूँ:

لَـ - بَـ - دٌ	لُ - رَ - مْ	مَـ - نِـ - رٌ
....	....	....

- أُكَوِّنُ اسْمَ الصُّورَةِ مِنَ الْحُرُوفِ الْمُعْطَاةِ:

मैं दिए गए अक्षरों से चित्र का नाम बनाता हूं:

		
ب - ل - ن	م - ن - ل	ر - ن - م
....	....	....

- أُصَنِّفُ الْكَلِمَاتِ وَفْقًا لِلْحَرْفِ الأَوَّلِ مِنَ الْكَلِمَةِ:

मैं शब्दों को पहले अक्षर के अनुसार वर्गीकृत करता हूँ:

مَسْجِدٌ - لَيْمُونٌ - نُورٌ - رِيمٌ - بَذْرٌ - دُبٌّ

ر	د	بـ	مـ	نـ	لـ
......	......	......	......	......	......

- أَبْحَثُ عَنْ حُرُوفِ الْجُمْلَةِ التَّالِيَةِ:

मैं निम्नांकित वाक्य के अक्षरों को खोजता हूँ:

نَـبِـيِّـي مُـحَـمَّـدٌ

ـنَـ	ـبَ	ـحَ	نَـ	فَـ	أُ
ـدٌ	ـدٌ	ـمَّ	لَ	مُـ	يِـ
دِ	ي	بَ	ـيِّـ	مَ	ـبِـ

- أَصِلُ بَيْنَ الْكَلِمَةِ وَالْحَرْفِ الْمُنَاسِبِ، ثُمَّ أَكْتُبُهَا:

मैं प्रत्येक शब्द को उपयुक्त अक्षर से जोड़ता हूं, फिर पूरा शब्द लिखता हूँ:

مَدْرَسـ...	ـتٌ	....
حُجْرَ...	ـةٌ	....
تُو...	ةٌ	....

- أَقْرَأُ الْكَـــــــــلِمَاتِ، وَأَكْتَشِفُ الْحَرْفَ الْمُشْـتَرَكَ فِي كُلِّ سَـطْرٍ، ثُمَّ أَكْـتُبُهُ:

मैं शब्दों को पढ़ता हूँ, प्रत्येक पंक्ति में साझा अक्षर की पहचान करता हूँ और उसे लिखता हूँ:

أَنَــا	أَمْــوَاجٌ	أُحِــبُّ	.....
أَبْــرَاجٌ	مَـتَـاجِــرُ	مَـسْـجِـدٌ	.....
رِيـــشٌ	شُــرُوقٌ	شَـيْـمَــاءُ	.....

- أَصِلُ الْكَـلِمَةَ بِالْكَـلِمَةِ الْمُمَاثِلَةِ لَهَا:

मैं समान शब्दों को एक दूसरे से जोड़ता हूँ:

قَـمَـرٌ	ثُــومٌ	مَـــوْزٌ
ثُــومٌ	مَـــوْزٌ	قَـمَـرٌ
الإِسْــلاَمُ	الإِيـمَــانُ	الإِحْـسَانُ
الإِيـمَــانُ	الإِحْـسَانُ	الإِسْــلاَمُ

- أُكْـــمِلُ الْجَدْوَلَ كَـمَا فِي الْمِثَالِ الأَوَّلِ مَعَ الاسْتِفَادَةِ مِنَ الْكَـــلِمَاتِ الْمُصَاحِبَةِ:

मैं प्रथम उदाहरण की तरह तालिका को पूरा करता हूँ तथा इसके लिए साथ में दिये गये शब्दों की सहायता लेता हूँ:

أَ	أُ	إِ	أْ
أَسَدٌ	أُمِّي	إِبْرِيقٌ	فَأْرٌ
بَ	...	...	...
....	بُرْجٌ	بِطِّيخٌ	حَبْلٌ
...	تُ	...	...
تَمْرٌ	....	تِينٌ	مُتْحَفٌ
ثَ	...	...	...
....	ثُرَيَّا	ثِيَابٌ	كُمِّثْرَى
جَ	...	...	...
....	جُبْنٌ	جِدَارٌ	حُجْرَةٌ
حَ	...	...	...
....	حُسَامٌ	حِصَانٌ	لَحْمٌ
...	...	خِ	...
خَرُوفٌ	خُرْطُومٌ	....	مَخْبَزٌ

ثَلْجٌ
جَمَلٌ
حَلِيبٌ
بَطَّةٌ
خِيَارٌ
تُفَّاحٌ

- أُكْمِلُ الْجَدْوَلَ كَمَا فِي الْمِثَالِ الأَوَّلِ مَعَ الاسْتِفَادَةِ مِنَ الْكَلِمَاتِ الْمُصَاحِبَةِ:

मैं प्रथम उदाहरण की तरह तालिका को पूरा करता हूँ तथा इसके लिए साथ में दिये गये शब्दों की सहायता लेता हूँ:

دَ	دُ	دِ	دْ
دَرَّاجَةٌ	دُمْيَةٌ	دِيكٌ	مَدْرَسَةٌ
...	ذُ	...	...
ذَيْلٌ	....	ذِرَاعٌ	نَذْهَبُ
رَ	...	...	...
....	رُمَّانٌ	رِحْلَةٌ	مَرْمَى
زَ	...	...	...
....	زُهَيْرٌ	زِيَادٌ	مَزْرَعَةٌ
سَ	...	...	...

ذُرَةٌ
شَمْسٌ
رَأْسٌ
زَمْزَمُ
مُصْحَفٌ
سَلَّةٌ

....	سَحَبٌ	سِكِّينٌ	مَسْبَحٌ
شَ	...	شِ	...
....	شُرُوقٌ	شِرَاعٌ	مِشْمِشٌ
...	...	...	صْ
صَقْرٌ	صُنْدُوقٌ	صِيَامٌ	....

- أُكْمِلُ الْجَدْوَلَ كَمَا فِي الْمِثَالِ الأَوَّلِ مَعَ الاسْتِفَادَةِ مِنَ الْكَلِمَاتِ الْمُصَاحِبَةِ:

मैं प्रथम उदाहरण की तरह तालिका को पूरा करता हूँ तथा इसके लिए साथ में दिये गये शब्दों की सहायता लेता हूँ:

ضَ	ضُ	ضِ	ضْ
ضَبٌّ	ضُرُوسٌ	ضِفْدَعٌ	مَضْرِبٌ
...	...	طِ	...
طَبَقٌ	طُيُورٌ	....	مَطْعَمٌ
...	...	ظِ	...
ظَبْيٌ	ظُرُوفٌ	....	عَظْمٌ
عَ	...	...	...
....	عُصْفُورٌ	عِنَبٌ	لُعْبَةٌ
غَ	...	...	...
....	غُرَابٌ	غِرَاءٌ	مَغْرِبٌ
فَ	...	...	...
....	فُرْشَاةٌ	فِيلٌ	حَقْلَةٌ
...	...	...	قْ
قَمَرٌ	قُفْلٌ	قِطَارٌ	....

عَسَلٌ
طِفْلٌ
فَصْلٌ
غَزَالٌ
مِقْصَفٌ
ظِلٌّ

- أَنْطِقُ الْحُرُوفَ الْمَكْتُوبَةَ بِحَسَبِ الْحَرَكَاتِ فِي السَّطْرِ الْأَوَّلِ:

मैं पहली पंक्ति में स्वर के अनुसार अक्षरों का उच्चारण करता हूं:

الْفَتْحَة	الضَّمَّة	الْكَسْرَة
(َ)	(ُ)	(ِ)

الْفَتْحَة	الضَّمَّة	الْكَسْرَة
(َ)	(ُ)	(ِ)

أ	أ	أ
ب	ب	ب
ت	ت	ت
ث	ث	ث
ج	ج	ج
ح	ح	ح
خ	خ	خ
د	د	د
ذ	ذ	ذ
ر	ر	ر
ز	ز	ز
س	س	س
ش	ش	ش
ص	ص	ص

ض	ض	ض
ط	ط	ط
ظ	ظ	ظ
ع	ع	ع
غ	غ	غ
ف	ف	ف
ق	ق	ق
ك	ك	ك
ل	ل	ل
م	م	م
ن	ن	ن
هـ	هـ	هـ
و	و	و
ي	ي	ي

- إِذَا كَـانَ الْحَرْفُ غَيْرَ مُتَحَرِّكٍ فَهُوَ سَاكِنٌ:

अक्षर पर जब कोई मात्रा न हो तो वह साकिन (बद्ध-जिह्व) होता है:

بَـأْ	أَبْ	أَتْ	أَثْ	أَجْ	أَحْ	أَخْ

أَصْ	أَشْ	أَسْ	أَزْ	أَرْ	أَذْ	أَدْ
أَقْ	أَفْ	أَغْ	أَعْ	أَظْ	أَطْ	أَضْ
أَيْ	أَوْ	أَهْ	أَنْ	أَمْ	أَلْ	أَكْ

الْحَرَكَـــــاتُ تُعْطِينَا الصَّـــوْتَ الْقَصِـــيرَ، بَيْنَمَـا الْمُـدُودُ تُعْطِينَـا الصَّوْتَ الطَّوِيلَ:

मात्रा हमें छोटे स्वर देते हैं, जब्कि मद्द (बड़ी मात्रा) हमें दीर्घ स्वर देते हैं:

الحرف المكسور		الحرف المضموم		الحرف المفتوح	
صوتٌ طويلٌ	صوتٌ قصيرٌ	صوتٌ طويلٌ	صوتٌ قصيرٌ	صوتٌ طويلٌ	صوتٌ قصيرٌ
إِيـ	إِ	أُو	أُ	ءَا / آ	أَ
بِـيـ	بِـ	بُـو	بُـ	بَـا	بَـ
تِـيـ	تِـ	تُـو	تُـ	تَـا	تَـ
ثِـيـ	ثِـ	ثُـو	ثُـ	ثَـا	ثَـ
جِـيـ	جِـ	جُـو	جُـ	جَـا	جَـ
حِـيـ	حِـ	حُـو	حُـ	حَـا	حَـ
خِـيـ	خِـ	خُـو	خُـ	خَـا	خَـ

دِيـ	دِ	دُو	دُ	دَا	دَ
ذِيـ	ذِ	ذُو	ذُ	ذَا	ذَ
رِيـ	رِ	رُو	رُ	رَا	رَ
زِيـ	زِ	زُو	زُ	زَا	زَ
سِـيـ	سِـ	سُـو	سُـ	سَـا	سَـ
شِـيـ	شِـ	شُـو	شُـ	شَـا	شَـ
صِـيـ	صِـ	صُـو	صُـ	صَـا	صَـ
ضِـيـ	ضِـ	ضُـو	ضُـ	ضَـا	ضَـ
طِـيـ	طِـ	طُـو	طُـ	طَـا	طَـ
ظِـيـ	ظِـ	ظُـو	ظُـ	ظَـا	ظَـ

عَ	عَـا	عُ	عُـو	عِ	عِـيـ
غَ	غَـا	غُ	غُـو	غِ	غِـيـ
فَ	فَـا	فُ	فُـو	فِ	فِـيـ
قَ	قَـا	قُ	قُـو	قِ	قِـيـ
كَـ	كَـا	كُـ	كُـو	كِـ	كِـيـ
لَـ	لاَ	لُـ	لُـو	لِـ	لِـيـ

مَـ	مَـا	مُـ	مُـو	مِـ	مِـيـ
نَـ	نَـا	نُـ	نُـو	نِـ	نِـيـ
هَـ	هَـا	هُـ	هُـو	هِـ	هِـيـ
وَ	وَا	وُ	وُو	وِ	وِيـ
يَـ	يَـا	يُـ	يُـو	يِـ	يِـيـ

- أَتَعَلَّمُ أَنَّ الْحَرْفَ الْمُشَــدَّدَ هُوَ حَرْفَانِ: الْأَوَّلُ سَــاكِنٌ وَالثَّانِي مُتَحَرِّكٌ (سْ + سَ = سَّ):

- क्या आप जानते हैं कि संयुक्त स्वर वास्तव में दो अक्षर होते हैं: पहला साकिन (बद्ध-जिह्व) और दूसरा मुतहर्रिक (मात्रा वाला)।

حروف الكلمة						الحرف المشدَّد	الكلمة
تَ	كَ	سْ	سَ	رَ		سَّ	تَـكَـسَّـرَ
تَ	فَ	كْ	كَ	كَ	ثَ	كَّ	تَـفَـكَّـكَـثَ
تَ	سَ	رْ	رَ	عَ		رَّ	تَـسَـرَّعَ
رَ	دْ	دَ				دَّ	رَدَّ
قَ	دْ	دَ	مَ			دَّ	قَـدَّمَ
يَ	تْ	تَ	قِ	ي		تَّ	يَـتَّـقِـي
جَ	نْ	نَ	ةٌ			نَّ	جَـنَّـةٌ

- أَنْطِقُ الْحُرُوفَ مُشَدَّدَةً وَمُنَوَّنَةً:

- मैं शद्दा (संयुक्त स्वर) और तनवीन वाले अक्षरों का उच्चारण करता हूं:

الحرف	الشَّدَّة مع الفتحة	الشَّدَّة مع الضَّمَّة	الشَّدَّة مع الكسرة	التَّنوين		
				فتحتين	ضمَّتين	كسرتين
ب	صَبَّ حَبَّةٍ	سَبُّورَةٌ الْحُبُّ	سَبِّحْ رَبِّي	أَبًّا	أَبٌّ	أَبٍّ
ت	بَتَّ حَتَّى	التُّوتُ سِتُّونَ	رَتِّبْ سِتِّينَ	سِتًّا	سِتٌّ	سِتٍّ
ث	حَثَّ كَثَّرَ	يَحُثُّ يَبُثُّ	يُكَثِّرُ بَثِّي	رَثًّا	رَثٌّ	رَثٍّ
ج	حَجَّ رَجَّ	يَضُجُّ يَحُجُّ	عُجِّلَ سِجِّينٌ	فَجًّا	فَجٌّ	فَجٍّ
ح	شَحَّ سَحَّارٍ	يَشِحُّ يَصِحُّ	رَحِّبْ رَحِّلْ	شُحًّا	شُحٌّ	شُحٍّ
خ	سَخَّرَ رَخَّصَ	المُخُّ الفَخُّ	يُبَخِّرُ يُسَخِّرُ	فَخًّا	فَخٌّ	فَخٍّ
د	رَدَّ أَعَدَّ	يَوَدُّ يَعُدُّ	يُؤَدِّي يَهدِّي	سَدًّا	سَدٌّ	سَدٍّ
ذ	حَذَّرَ كَذَّبَ	يَشِذُّ تَلَذُّ	يُعَذِّبُ الذِّئْبُ	فَذًّا	فَذٌّ	فَذٍّ
ر	الرَّحِيمُ حَرَّمَ	يَفِرُّ يُسِرُّ	يُحَرِّفُ الرِّبَا	سِرًّا	سِرٌّ	سِرٍّ
ز	عِزَّةٍ نَزَّلَ	يُعِزُّ الزُّورُ	يُنَزِّلُ الزِّينَةُ	عِزًّا	عِزٌّ	عِزٍّ
س	مَسَّ السَّبُعُ	يَمَسُّ السُّوءُ	يَسِّرْ السِّلْمُ	بَسًّا	بَسٌّ	بَسٍّ
ش	بَشَّرَ رَشَّ	أَهُشُّ الشُّحُّ	بَشِّرْ يُغَشِّي	عُشًّا	عُشٌّ	عُشٍّ

ص	قَصَّ	فَصَّلَ	يَخُصُّ	يَنُصُّ	حُصِّلَ	يُفَصِّلُ	فَصًّا	فَصٌّ	فَصٍّ
ض	فَضَّلَ	عَضَّ	يَعَضُّ	يَحُضُّ	يُفَضِّلُ	الضِّعْفُ	غَضًّا	غَضٌّ	غَضٍّ
ط	حِطَّةٌ	الطَّيْرُ	يَخُطُّ	الطُّورُ	الطِّينُ	قُطِّعَتْ	خَطًّا	خَطٌّ	خَطٍّ
ظ	الظَّنُّ	الظَّمْآنُ	الظُّلَّةُ	الظُّنُونَ	يُعَظِّمُ	الظِّلُّ	حَظًّا	حَظٌّ	حَظٍّ
ع	يَصَّعَّدُ	فَعَّالٌ	يَدُعُّ	يُدَعُّونَ	تُصَعِّرْ	سُعِّرَتْ	دَعًّا	دَعٌّ	دَعٍّ
ف	خَفَّفَ	كَافَّةً	كُفُّوا	يَزِفُّونَ	نُوَفِّي	يُوَفِّقُ	صَفًّا	صَفٌّ	صَفٍّ
ق	أَحَقَّ	حَقَّقَ	يَشُقُّ	الْحَقُّ	بِشِقِّ	يُعَقِّبُ	حَقًّا	حَقٌّ	حَقٍّ
ك	فَكَّرَ	دَكَّاءَ	فَكُّ	تُزَكُّوا	ذُكِّرَ	سِكِّينًا	دَكًّا	دَكٌّ	دَكٍّ
ل	عَلَّمَ	كَلَّمَ	يُهِلُّ	كُلُّ	يُعَلِّمُ	يُصَلِّي	كُلًّا	كُلٌّ	كُلٍّ
م	عَمَّا	ثُمَّ	يُتِمُّ	أُمُّهُ	أُمِّي	حُمِّلْنَا	جَمًّا	جَمٌّ	جَمٍّ
ن	الْجَنَّةُ	النَّارُ	يَمُنُّ	يَظُنُّ	بِالْمَنِّ	النِّصْفُ	ظَنًّا	ظَنٌّ	ظَنٍّ
هـ	طَهَّرَ	الْقَهَّارُ	تُوَهُّمٌ	تَفَهُّمٌ	مُطَهِّرٌ	يُجَهِّزُ			
و	بَوَّأَ	كَوَّرَ	سَوُّوا	يُدَوُّونَ	بِالْغُدُوِّ	يُكَوِّرُ	جَوًّا	جَوٌّ	جَوٍّ
ي	خَيَّرَ	إِيَّاكَ	أَيُّهَا	العَلِيُّ	زُيِّنَ	طَيِّبًا	قَوِيًّا	قَوِيٌّ	قَوِيٍّ

- أُصَنِّفُ الْكَلِمَاتِ حَسَبَ الْمَطْلُوبِ فِي الْجَدْوَلِ:

मैं सूचीबद्ध शब्दों को तालिका के भीतर उनके सही स्थान पर रखता हूं:

حَجَّ - يَحُجُّ - بُرّز - سَدّاً - صُمٌّ - ظِلٍّ - جَنَّةٌ - يَدُعٌّ - ذُكّرَ -
دَكّاً - سِرٌّ - فَجّ - خَيَّرَ - يَمُنٌّ - بَشّرِ - قَوِيّاً - غَنِيٌّ - أُفٍّ

الشَّدَّة مع الفتحة	الشَّدَّة مع الضَّمَّة	الشَّدَّة مع الكسرة	التَّنوين		
			فتحتين	ضمَّتين	كسرتين
.....	.....	.....	.....	.....	.....
.....	.....	.....	.....	.....	.....
.....	.....	.....	.....	.....	.....

- أَضَعُ دَائِرَةً حَوْلَ الأَسْمَاءِ الْمَمْدُودَةِ:

मैं दीर्घ स्वर वाले नामों को घेरता हूं:

غَابَتْ وَفَاءُ عَنِ الْمَدْرَسَةِ	الْتَقَتْ فَاطِمَةُ وَشَيْمَاءُ
لَنْ نُطِيلَ الْبَقَاءَ	سَأَزُورُ وَفَاءَ هَذَا الْمَسَاءَ
يَدْعُونَ لَهَا بِالشِّفَاءِ الْعَاجِلِ	

- أُفَرّقُ فِي آخِرِ الْكَلِمَةِ بَيْنَ التَّاءِ الْمَرْبُوطَةِ (ـة) وَالتَّاءِ الْمَفْتُوحَةِ (ـت) بِتَحْوِيلِهَا إِلَى (هـ) نُطْقًا ثُمَّ أَنْظُرُ:

मैं शब्द के अंत में "बंद ता" (ـة) तथा "खुले ता" (ـت) के मध्य अंतर करता हूँ, इसे "हा" (هـ) के रूप में उच्चारण कर के, और फिर देखता हूँ:

إذا تغير معنى الكلمة فهي تاء مفتوحة (ـت) यदि शब्द का अर्थ बदल जाता है तो , तो यह "खुला ता" (ـت) है.	إذا لم يتغير معنى الكلمة فهي تاء مربوطة (ـة) यदि शब्द का अर्थ नहीं बदला तो , तो यह "बंद ता" (ـة) है.
كَلِمَةُ (بَيْتٌ) إِذَا غَيَّرْنَا التَّاءَ فِي آخِرِهَا إِلَى هَاءٍ تَغَيَّرَ الْمَعْنَى، إِذَنْ فَهِيَ مَفْتُوحَةٌ (ـت).	كَلِمَةُ (تُفَّاحَةٌ) إِذَا غَيَّرْنَا التَّاءَ فِي آخِرِهَا إِلَى هَاءٍ لَمْ يَتَغَيَّرْ مَعْنَاهَا، إِذَنْ فَهِيَ مَرْبُوطَةٌ (ـة).

- أَرْسُمُ دَائِرَةً حَوْلَ الْكَلِمَةِ الْمُخْتَلِفَةِ فِي كُلِّ مَجْمُوعَةٍ:

मैं प्रत्येक समूह के भीतर अलग-अलग शब्दों को घेरता हूं:

شَجَرَةٌ - تَحِيَّةٌ - عَذْبَةٌ - أَسْمَاءُ	عَنْهُ - التِّلْمِيذَاتُ - مِنْهُ - لَهُ	وَفَاءُ - عَائِشَةُ - شَيْمَاءُ - أَسْمَاءُ

- أُنَوِّنُ الْكَلِمَاتِ الآتِيَةَ تَنْوِينَ فَتْحٍ وَضَمٍّ وَكَسْرٍ:

निम्नांकित वाक्यों में फ़त्हा, ज़म्मा एवं कसरा वाले तनवीन के साथ इसे घेरता हूँ:

الكلمة	تنوين الفتح (ـاً / ـةً)	تنوين الضَّمّ (ٌ)	تنون الكسر (ٍ)
مَنْزِل	مَنْزِلاً	....	....
كُرَة	....	كُرَةٌ	....
زُجَاج	....	....	زُجَاجٍ

نَــافِذَة ....

- أُصَنِّفُ الْكَلِمَاتِ حَسَبَ الْمَطْلُوبِ:

मैं सूचीबद्ध शब्दों को तालिका के भीतर उनके सही स्थान पर रखता हूं:

صَحَّةٌ - وَصَلَتْ - سَأُزِيلُهُ - عَلِمْتُ - الْقُمَامَةُ - سَأَلَتْ - مَكَانُهُ -

صَدِيقَةُ - مُعَلِّمَةٌ - غَابَتْ - صَدَقَةٌ - شَرِبْتُ - بَأبُهُ - إِمَاطَةُ - مِنْهُ

تاءٌ مفتوحةٌ	تاءٌ مربوطةٌ	هاءٌ آخر الكلمة	تاءٌ مفتوحةٌ	تاءٌ مربوطةٌ	هاءٌ آخر الكلمة
....	....	....	....	....	....
....	....	....	....	....	....
....	....	....	....	....	....

- أَتَمِّمُ الْكَلِمَةَ بِـ (ي) أَوْ (ى):

मैं शब्दों को (ي) अथवा (ى) के द्वारा पूर्ण करता हूँ:

يَقْضِـ...	صَلَّـ...	يَرْمِـ...
بَنَـ...	يُصَلِّـ...	سَعَـ...

- أَرْسُمُ دَائِرَةً حَوْلَ الْكَلِمَاتِ الَّتِي تَحْتَوِي أَلِفًا مَقْصُورَةً (ى):

मैं उन शब्दों को घेरता हूँ जिनमें अलिफ़ मक़सूरह (ى) है:

أَجْـنِـي	أَلْـقَـى	أَقْـتَـدِي	رَمَـى
اشْـتَـرَى	أَبِـي	عَـنِّـي	عَـفَـا

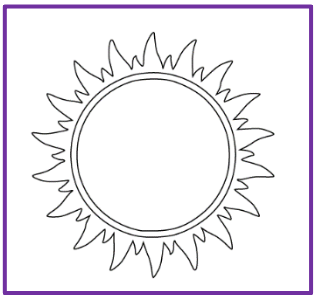
- أُكمِلُ بِالتَّاءِ الْمُنَاسِبَةِ (ت - ة - ـة):

निम्नांकित शब्दों को मैं उचित (ـة - ة - ت) के द्वारा पूर्ण करता हूँ:

لَعِبَ... سَارَ... في حَدِيقَ... المنزل فَرَأَ... هِرَّ... صَغِيرَ... جَائِعَ...

- أَتَعَرَّفُ عَلَى الْحُرُوفِ الَّتِي تَأْتِي بَعْدَ اللاَّمِ الشَّمْسِيَّةِ وَبَعْدَ اللاَّمِ الْقَمَرِيَّةِ:

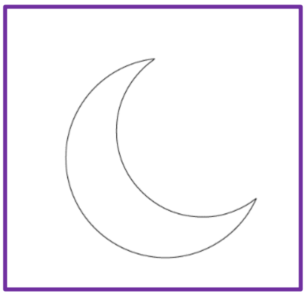
मैं उन अक्षरों को सीखता हूं जो (ل) शम्सी के बाद आते हैं और जो (ل) क़मरी के बाद आते हैं:



اللاَّمُ الشَّمْسِيَّةُ

تُكْتَبُ وَلاَ تُنْطَقُ
الْحَرْفُ الَّذِي بَعْدَهَا عَلَيْهِ عَلاَمَةُ الشَّدَّةِ

(1)	ت	التَّوْبَةُ
(2)	ث	الثَّمَرَةُ
(3)	د	الدَّرْسُ
(4)	ذ	الذِّرَاعُ
(5)	ر	الرَّجُلُ
(6)	ز	الزُّجَاجَةُ
(7)	س	السِّرَاجُ
(8)	ش	الشَّمْعَةُ
(9)	ص	الصَّبُّورَةُ
(10)	ض	الضِّفْدَعُ
(11)	ط	الطَّائِرُ
(12)	ظ	الظَّرْفُ



اللاَّمُ الْقَمَرِيَّةُ

تُكْتَبُ وَتُنْطَقُ لامًا سَاكِنَةً
الْحَرْفُ الَّذِي بَعْدَهَا عَلَيْهِ حَرَكَةٌ

(1)	أ	الأَبُ
(2)	ب	الْبَابُ
(3)	ج	الْجَبَلُ
(4)	ح	الْحَشْرُ
(5)	خ	الْخَبَرُ
(6)	ع	الْعَرَبِيَّةُ
(7)	غ	الْغُرَابُ
(8)	ف	الْفِرْدَوْسُ
(9)	ق	الْقَمَرُ
(10)	ك	الْكِتَابُ
(11)	م	الْمِسْمَارُ
(12)	هـ	الْهِرُّ

(13)	ل	اللاَّعِبُ	(13)	و	الْوَرْدُ
(14)	ن	النَّمِرُ	(14)	ي	الْيَدُ

- أُعَرِّفُ الْكَلِمَةَ بِـ (أَلْ) وَأَكْتُبُهَا مَشْكُولَةً، ثُمَّ أُحَدِّدُ نَوْعَ اللاَّمِ:

मैं शब्द में (أَلْ) जोड़ता हूं और इसे सही स्वरों के साथ लिखता हूं, फिर (لْ) के प्रकार की पहचान करता हूं:

الكلمة	أضيف (أل) وأكتب الكلمة مشكولةً		اللاَّم شمسيَّة	قمريَّة
مَنْزِلٌ	....	....	○	○
كُرَةٌ	....	....	○	○
زُجَاجَةٌ	....	....	○	○
نَافِذَةٌ	....	....	○	○
قَلَمٌ	....	....	○	○
شَمْسٌ	....	....	○	○
قَمَرٌ	....	....	○	○
دَجَاجَةٌ	....	....	○	○

- أَتَعَرَّفُ عَلَى الأَرْقَامِ الْعَرَبِيَّةِ:

मैं अरबी संख्या सीखता हूँ:

0	1	2	3	4
صِفْرٌ	وَاحِدٌ	اثْنَانِ	ثَلاثَةٌ	أَرْبَعَةٌ

9	8	7	6	5
تِسْعَة	ثَمَانِيَة	سَبْعَة	سِتَّة	خَمْسَة

- أَقْرَأُ الأَرْقَامَ وَأُلَوِّنُهَا:

मैं संख्या को पढ़ता हूँ और इसे रंगता हूँ:

4 3 2 1 0

9 8 7 6 5

- أَكْتُبُ الأَرْقَامَ:

मैं संख्याओं को लिखता हूँ:

9	8	7	6	5	4	3	2	1	0
9	8	7	6	5	4	3	2	1	0
....	....	....	....	....	....	....	....	....	....
....	....	....	....	....	....	....	....	....	....
....	....	....	....	....	....	....	....	....	....
19	18	17	16	15	14	13	12	11	10
19	18	17	16	15	14	13	12	11	10

....	....	....	....	....	....	....	....	....	....
....	....	....	....	....	....	....	....	....	....
1000	100	90	80	70	60	50	40	30	20
1000	100	90	80	70	60	50	40	30	20
....	....	....	....	....	....	....	....	....	....
....	....	....	....	....	....	....	....	....	....

- أَصِـــلُ الرَّقَــمَ بِالْكَـــــلِمَةِ الْمُنَاسِبَةِ بَعْدَ كِـــتَابَتِهَا:

मैं लिखने के बाद संख्या को उचित शब्द से जोड़ता हूं:

عشـرون	6	خـمسة	0
عشـرة	7	صـفر	1
تسـعـة	8	أربـعـة	2
سـتـة	9	واحـد	3
ثمـانيـة	10	ثـلاثـة	4
سبـعـة	20	اثـنـان	5

- أَقْرَأُ وَأَكْــتُبُ الأَرْقَامَ الْمُرَكَّــبَةَ:

मैं मिश्रित संख्याओं को पढ़ता एवं लिखता हूँ:

11	أحد عشر	21	واحد وعشرون
12	اثنا عشر	22	اثنان وعشرون
13	ثلاثة عشر	23	ثلاثة وعشرون
14	أربعة عشر	24	أربعة وعشرون

- أَتَعَلَّمُ أَيَّامَ الأُسْبُوعِ:

मैं हफ्तों के दिन सीखता हूँ:

الأَحَــدُ	الأحـد	....	Sunday
الاثْنَيْــنُ	الاثـنـين	....	Monday
الثَّـلاثَــاءُ	الثـلاثـاء	....	Tuesday
الأَرْبِـعَــاءُ	الأربـعـاء	....	Wednesday
الْخَـمِيـسُ	الـخـمـيـس	....	Thursday
الْجُمُعَةُ	الـجـمـعـة	....	Friday
الـسَّـبْـتُ	الـسـبـت	....	Saturday

- أَصِلُ الْيَوْمَ بِتَرْجَمَتِهِ بَعْدَ أَنْ أَكْتُبَهُ:

मैं दिन का नाम लिखने के बाद उसे इसके अनुवाद से जोड़ता हूं:

الأحـد	शनिवार	الثـلاثـاء	शुक्रवार
الأربعـاء	सोमवार	الـخميـس	मंगलवार
الاثنيـن	बुधवार	الـجمعـة	बृहस्पतिवार
السبـت	इतवार		

- أَتَعَلَّمُ الأَشْهُرَ الْعَرَبِيَّةَ (الْقَمَرِيَّةَ):

मैं अरबी महीने (चंद्रमा से संबंधित) सीखता हूँ:

(1) مُحَـرَّمٌ	محـرم	....	....
(2) صَفَـرٌ	صـفر	....	....
(3) رَبِيـعُ الأَوَّلُ	ربيـع الأول	....	....
(4) رَبِيـعُ الثَّـانِي	ربيـع الثـاني	....	....
(5) جُمَـادَى الأُولَى	جـمادى الأولـى	....	....
(6) جُمَـادَى الثَّـانِيَـةُ	جـمادى الثـانيـة	....	....
(7) رَجَبٌ	رجـــب	....	....
(8) شَعْبَـانُ	شـعبـان	....	....
(9) رَمَضَـانُ	رمـضـان	....	....
(10) شَـوَّالٌ	شـوال	....	....
(11) ذُو الْقَعْدَةِ	ذو القـعـدة	....	....
(12) ذُوالْحِجَّـةِ	ذو الحـجـة	....	....

- أُرَتِّـبُ الأَشْهُـرَ الْعَرَبِيَّةَ بَعْدَ أَنْ أَكْـتُبَهَا:

अरबी महीनों के नाम लिखने के बाद में इसे क्रमबद्ध करता हूँ:

1	صـفـر	7	رمـضـان

2	ربيع الأول	8	شوال
3	محرم	9	رجب
4	جمادى الأولى	10	ذو القعدة
5	جمادى الثانية	11	ذو الحجة
6	ربيع الثاني	12	شعبان

- أَتَعَرَّفُ عَلَى الشَّهْرِ وَأَكْتُبُهُ:

मैं महीनों के नाम सीखता हूँ एवं उन्हें लिखता हूँ:

1	شَهْرُ الصِّيَامِ	....
2	شَهْرُ عِيدِ الْفِطْرِ	....
3	شَهْرُ عِيدِ الأَضْحَى	....
4	شَهْرٌ فِيهِ يَوْمُ عَاشُورَاءَ	....
5	شَهْرُ وِلاَدَةِ الْمُصْطَفَى ﷺ	....

- أَتَعَلَّمُ عَلاَمَاتِ التَّرْقِيمِ الْعَرَبِيَّةِ:

मैं अरबी विराम चिन्ह सीखता हूँ:

.	النُّقْطَةُ	पूर्ण विराम-चिह्न	تُستَعْمَلُ فِي نِهَايَةِ الْجُمْلَةِ	वाक्य के अंत में इसका प्रयोग किया जाता है।
،	الْفَاصِلَةُ	अल्प विराम-चिह्न	تُسْتَعْمَلُ لِفَصْلِ أَجْزَاءِ الْجُمَلِ الطَّوِيلَةِ	दीर्घ वाक्य के बीच अल्प विराम के लिए इसका प्रयोग किया जाता है।
؛	الْفَاصِلَةُ الْمَنْقُوطَةُ	अर्द्ध विराम-चिह्न	تُسْتَعْمَلُ لِلتَّفْرِيقِ بَيْنَ السَّبَبِ وَالْمُسَبَّبِ فِي أَشْيَاءَ أُخْرَى	जहाँ पूर्ण विराम की अपेक्षा कम देर और अल्पविराम की अपेक्षा अधिक देर तक रुकना हो, वहां अर्द्धविराम का प्रयोग करते हैं।
؟	عَلامَةُ الاِسْتِفْهَامِ	प्रश्नवाचक चिह्न	تُسْتَعْمَلُ فِي نِهَايَةِ الْجُمْلَةِ الاِسْتِفْهَامِيَّةِ	प्रश्नवाचक वाक्य के अंत में ‘प्रश्नसूचक चिन्ह’ (?) का प्रयोग किया जाता है।
!	عَلامَةُ التَّعَجُّبِ	विस्मयादिबोधक चिह्न	تُسْتَعْمَلُ فِي نِهَايَةِ الْجُمْلَةِ الَّتِي تَحْمِلُ تَأَثُّرًا مِنْ: تَعَجُّبٍ، أَوْ فَرَحٍ، أَوْ حُزْنٍ...	वाक्य में हर्ष, विवाद, विस्मय, घृणा, आश्चर्य, करुणा, भय इत्यादि का बोध कराने के लिए किया जाता है अथार्त विस्मयादिबोधक चिन्ह (!) का प्रयोग अव्यय शब्द से पहले किया जाता है।
:	النُّقْطَتَانِ الرَّأْسِيَّتَانِ	उप विराम-चिह्न	تُسْتَعْمَلُ بَعْدَ الْقَوْلِ وَمُشْتَقَّاتِهِ، وَبَيْنَ الشَّيْءِ وَأَقْسَامِهِ	इसे अपूर्ण विराम भी कहा जाता है। जब किसी शब्द को अलग दर्शाना हो तो वहाँ इस चिह्न का प्रयोग किया जाता है।
-	الشَّرْطَةُ	योजक विराम-चिह्न	تُسْتَعْمَلُ لِبَدْءِ الْحِوَارِ، وَبَيْنَ طَرَفَيِ الْجُمْلَةِ الاِعْتِرَاضِيَّةِ	दो शब्दों में परस्पर संबंध स्पष्ट करने के लिए तथा उन्हें जोड़कर लिखने के लिए योजक-चिह्न (–) का प्रयोग

किया जाता है। जैसे: तत्पुरुष और द्वंद समास दोनों पदों के बीच में, मध्य के अर्थ में, तुलना सूचक शब्दों के लिए, किसी की कही हुई बात को दोहराने के लिए।

- أَكْـتُبُ عَلاَمَاتِ التَّرْقِيمِ:

मैं विराम चिन्ह लिखता हूँ:

،	،	،	،	.	.	.	.
.....	.....	.....	.....	.....	.....	.....	.....
!	!	؟	؟	؟	؛	؛	؛
.....	.....	.....	.....	.....	.....	.....	.....
-	-	-	-	:	:	:	!
.....	.....	.....	.....	.....	.....	.....	.....

- أَتَعَرَّفُ عَلَى عَلاَمَاتِ التَّرْقِيمِ وَأُلَوِّنُـــهَا:

मैं विराम चिह्नों की पहचान करता हूं और उन्हें रंगता हूं:

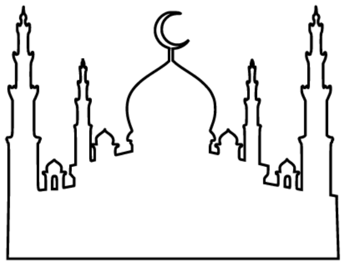
،   ،   .   .

؛ ؛ ؟ ؟

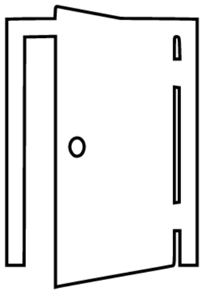
! : : -

- أَتَـعَـلَّـمُ الإِشَـارَةَ بِـ(هَـذَا) لِلْقَـرِيـبِ:

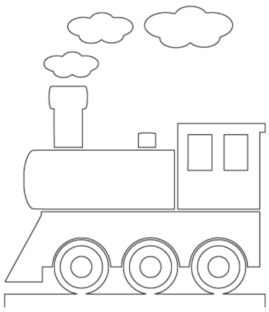
मैं पुल्लिंग (هذا) "यह" का उपयोग करीब की वस्तु बताने के लिए करना सीखता हूँ:



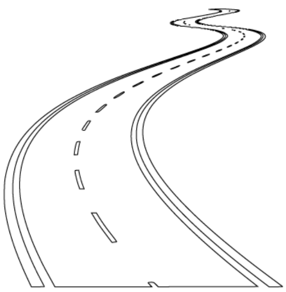
هَـذَا مَـسْجِـدٌ



هَـذَا بَــابٌ



هَـذَا قِــطَـارٌ



- مَــا هَــذَا؟

هَـذَا طَــرِيــقٌ.

- أَهَـذَا طَــرِيــقٌ؟

نَـعَمْ، هَـذَا طَــرِيــقٌ.

- أَهَـذَا قِــطَــارٌ؟

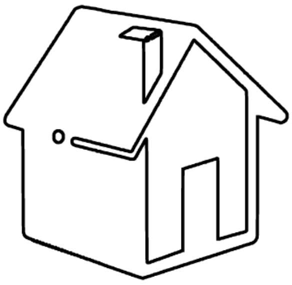
لاَ، هَـذَا لَـيْـسَ قِـطَـارًا، بَـلْ هُـوَ طَــرِيــقٌ.

مَـا هَـذَا؟

....

أَهَـذَا مَـنْـزِلٌ؟

....

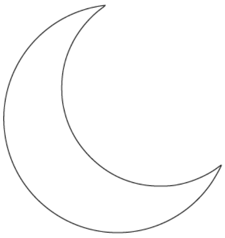


مَـا هَـذَا؟

....

أَهَـذَا مَـسْـجِـدٌ؟

....



مَـا هَـذَا؟

....

أَهَـذَا أَنْـفٌ؟

....



هَـذَا؟

....

أَهَـذَا كُـرْسِـيٌّ؟

....



هَـذَا؟

....

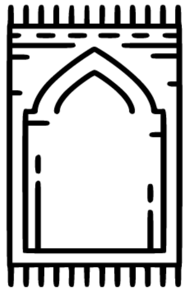
أَهَـذَا كُـرْسِـيٌّ؟

....

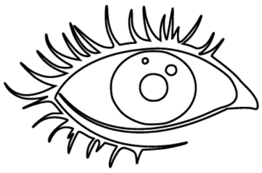


- أَتَـعَـلَّـمُ الإِشَـارَةَ بِـ(هَـذِهِ) لِلْـقَـرِيـبِ:

मैं स्त्रीलिंग (هَـذِهِ) "यह" का उपयोग करीब की वस्तु बताने के लिए करना सीखता हूँ:



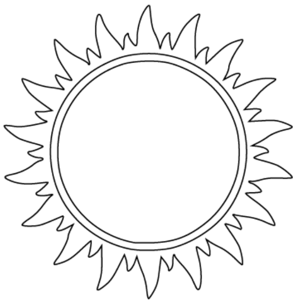
هَذِهِ سَجَّادَةٌ



هَذِهِ عَيْنٌ



هَذِهِ يَدٌ



- مَا **هَذِهِ**؟

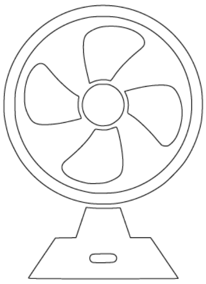
هَذِهِ شَمْسٌ.

- **أَهَذِهِ** شَمْسٌ؟

نَعَمْ، **هَذِهِ** شَمْسٌ.

- **أَهَذِهِ** أُذُنٌ؟

لاَ، **هَذِهِ** لَيْسَتْ أُذُناً، بَلْ هِيَ شَمْسٌ.

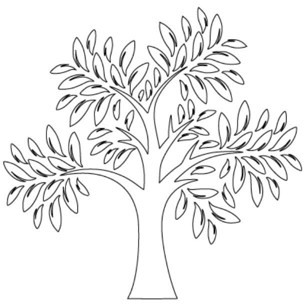


- مَا **هَذِهِ**؟

....

- **أَهَذِهِ** مِرْوَحَةٌ؟

....



- مَا **هَذِهِ** ؟

....

- **أَهَذِهِ** عَيْنٌ؟

....

- مَـا هَـذِهِ ؟

....

- أَهَـذِهِ رِجْــلٌ؟

....

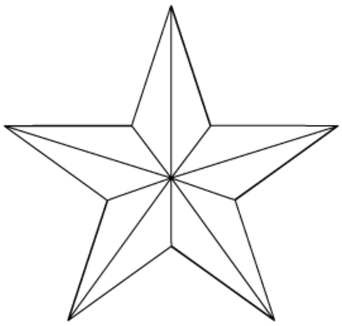


- مَـا هَـذِهِ ؟

....

- أَهَـذِهِ نَـجْـمَـةٌ؟

....

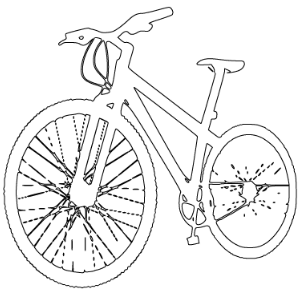


- مَـا هَـذِهِ ؟

....

- أَهَـذِهِ نَـجْـمَـةٌ؟

....



- أَتَـعَـلَّـمُ الإِشَـارَةَ بِـ(ذَلِكَ) لِلْـبَـعِـيـدِ:

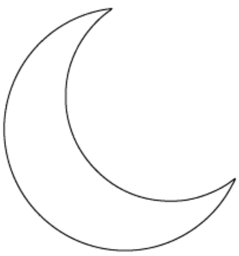
मैं पुल्लिंग (ذَلِكَ) "वह" का उपयोग दूर की वस्तु बताने के लिए करना सीखता हूँ:



ذَلِـك سَرِيــرٌ



ذَلِـك مِفْـتَـاحٌ



ذَلِـك هِــلاَلٌ

هَذَا أَنْــفٌ.



ذَلِــكَ شَــعْــرٌ.



- مَــا ذَلِــكَ؟

ذَلِــكَ كَــأْسٌ.

- أَذَلِــكَ كَــأْسٌ ؟

نَــعَمْ، ذَلِــكَ كَــأْسٌ.

- أَذَلِــكَ سَرِيــرٌ؟

لاَ، ذَلِــكَ لَــيْــسَ سَرِيــرًا، بَــلْ هُــوَ كَــأْسٌ.



- مَــا ذَلِــكَ؟

....

- أَذَلِــكَ مَــنْــزِلٌ؟

....



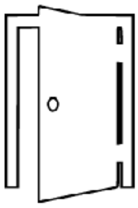
- مَــا ذَلِــكَ؟

....

- أَذَلِــكَ كِــتَــابٌ؟

....



هَـذَا ....  

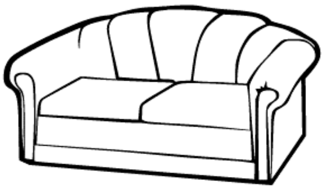
ذَلِـكَ ....  

- أَتَـعَـلَّـمُ الإِشَـارَةَ بِـ(تِـلْـكَ) لِـلْـبَـعِـيـدِ:

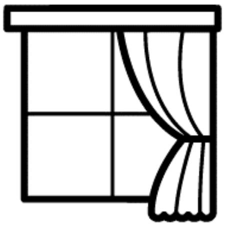
में स्त्रीलिंग (تِلّك) "वह" का उपयोग दूर की वस्तु बताने के लिए करना सीखता हूँ:



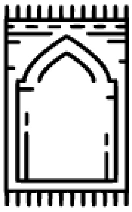
تِـلّـكَ سَـاعَـةٌ

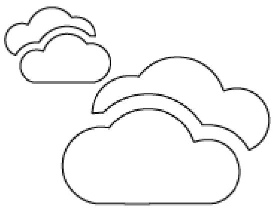


تِـلّـكَ أَرِيـكَـةٌ



تِـلّـكَ نَـافِـذَةٌ

هَـذِهِ سـجَّـادَةٌ.  

تِـلْـكَ غُـيـومٌ.  

- مَـا تِـلْـكَ؟

تِـلْـكَ طَـائِـرَةٌ.

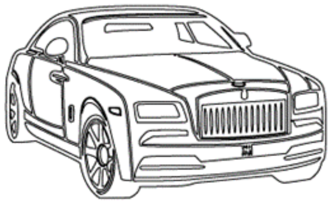
- أَتِـلْـكَ طَـائِـرَةٌ؟

نَـعَـمْ، تِـلْـكَ طَـائِـرَةٌ.



- أَتِلْكَ فَرَاشَةٌ؟

لاَ، تِلْكَ لَيْسَتْ فَرَاشَةً، بَلْ هُيَ طَائِرَةٌ.



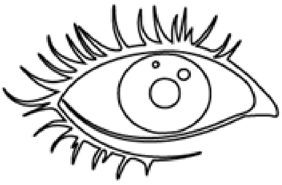
- مَا تِلْكَ؟

....

- أَتِلْكَ طَائِرَةٌ؟

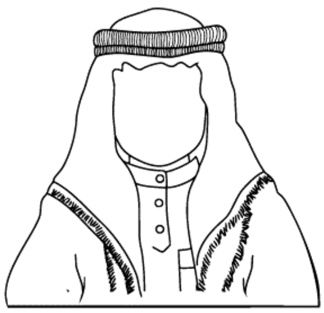
....

هَذِهِ ....  

تِلْكَ........  

- أَتَعَرَّفُ عَلَى أَفْرَادِ الْعَائِلَةِ:

मैं परिवार के सदस्यों की पहचान करता हूं:



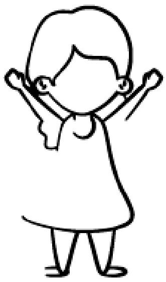
هَذَا رَجُلٌ - إِنَّهُ الأَبُ



هَذِهِ امْرَأَةٌ - إِنَّهَا الأُمُّ



هَـذَا طِـفْـلٌ - إِنَّـهُ الاِبْـنُ



هَذِهِ طِفْلَةٌ - إِنَّـــهَـا الْبِـنْـتُ

- أَصِـلُ الْكَـلِـمَـةَ بِـمَـا يُـنَـاسِـبُـهَـا:

मैं प्रत्येक शब्द को उसके उचित शब्द के साथ जोड़ता हूँ:

الأَبُ	الأُم	الاِبْـنُ	الْبِـنْـتُ
طِـفْـلٌ	رَجُـلٌ	طِفْلَةٌ	امْـرَأَة

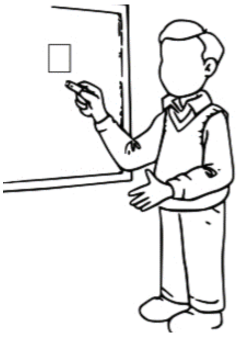
- أَتَعَـرَّفُ عَلَى أَصْحَــابِ الْمِـهَــنِ:

मैं व्यवसायों की पहचान करता हूं:



هَـذَا طَـبِـيـبٌ

الطَّـبِـيـبُ يُـدَاوِي الْمَـرْضَـى



هَـذَا مُـعَـلِّــمٌ

الْمُـعَـلِّـمُ يُــدَرِّسُ الطُّــلاَّبَ



هَـذَا مُـهَـنْـدِسٌ مِـعْـمَـارِيٌّ

الْمُـهَـنْـدِسُ الْمِعْـمَـارِيُّ يُشْـرِفُ عَلَى أَعْـمَـالِ الْبِـنَـاءِ



هَـذَا بَـنَّـــاءٌ

الْـبَـنَّـــاءُ يَـبْـنِـي لَـنَـا بُـيُـوتًـا تَـحْـمِـيـنَـا مِنَ الْحَـرِّ وَالْـبَـرْدِ



هَـذَا رَجُـلُ الإِطْـفَـاءِ

رَجُــلُ الإِطْـفَــاءِ يُـطْـفِـئُ الْحَـرِيـقَ بِـخُـرْطُـومِ الْمِـيَـاهِ



هَـذَا جُـنْـدِيٌّ

الْجُـنْـدِيُّ يُـرَابِــطُ فِي الثُّـغُــورِ وَيَـحْـمِـي الْـبَـلَـدَ



هَـذَا خَـبَّـازٌ

الْخَـبَّـازُ يُـحَـوِّلُ الدَّقِيقَ إِلَى خُبْزٍ شَـهِـيٍّ



هَـذَا رُبَّـانٌ

الـرُبَّـانُ يَـقُـودُ السَّـفِـيـنَـةَ وَيُـوصِـلُـهَـا إِلَـى بَـرِّ الأَمَـانِ



هَـذَا مُـزَارِعٌ

الْمُـزَارِعُ يَـزْرَعُ الْـبُـذُورَ فِي الأَرْضِ وَيَـسْـقِـيـهَـا بِـالْـمَـاءِ لِـيُـعْـطِـيَـنَـا الثِّـمَـارَ



هَـذَا خَـيَّـاطٌ

الْخَـيَّـاطُ يَـخِـيـطُ لَـنَـا مِـنَ الْقُـطْـنِ وَالصُّـوفِ مَـلاَبِـسَ جَـمِـيـلَـةً لِـنَـلْـبَـسَـهَـا



هَـذَا صَـيَّـادٌ

الصَـيَّـادُ يَـسْـتَـعْـمِـلُ الصِّـنَّـارَةَ وَالطُّـعْـمَ لِـيَـصِـيـدَ الأَسْـمَـاكَ فِي الْـبَـحْـرِ أَوِ الـنَّـهْـرِ



هَـذَا طَـبَّـاخٌ

الطَـبَّـاخُ يَـطْـبُـخُ لَـنَـا أَنْـوَاعًـا كَـثِـيـرَةً مِـنَ الطَّـعَـامِ اللَّـذِيـذِ

الدَّرس الأوَّل - حرف الألف	....	7
الدَّرس الثّاني - حرف الباء	....	9
الدَّرس الثّالث - حرف التَّاء	....	11
الدَّرس الرَّابع - حرف الثّاء	....	13
الدَّرس الخامس - حرف الجيم	....	15
الدَّرس السَّادس - حرف الحاء	....	17
الدَّرس السَّابع - حرف الخاء	....	19
الدَّرس الثّامن - حرف الدَّال	....	21
الدَّرس التَّاسع - حرف الذّال	....	23
الدَّرس العاشر - حرف الرَّاء	....	25
الدَّرس الحادي عشر - حرف الزَّاي	....	27
الدَّرس الثّاني عشر - حرف السِّين	....	29
الدَّرس الثّالث عشر - حرف الشّين	....	31
الدَّرس الرَّابع عشر - حرف الصَّاد	....	33
الدَّرس الخامس عشر - حرف الضَّاد	....	35
الدَّرس السَّادس عشر - حرف الطَّاء	....	37
الدَّرس السَّابع عشر - حرف الظَّاء	....	39
الدَّرس الثّامن عشر - حرف العين	....	41
الدَّرس التَّاسع عشر - حرف الغين	....	43
الدَّرس العشرون - حرف الفاء	....	45
الدَّرس الحادي والعشرون - حرف القاف	....	47

الدَّرس الثّاني والعشرون - حرف الكاف 49
الدَّرس الثّالث والعشرون - حرف اللّام 51
الدَّرس الرَّابع والعشرون - حرف الميم 53
الدَّرس الخامس والعشرون - حرف النَّون 55
الدَّرس السَّادس والعشرون - حرف الهاء 57
الدَّرس السَّابع والعشرون - حرف الواو 59
الدَّرس الثّامن والعشرون - حرف الياء 61
الدَّرس التَّاسع والعشرون - الحروف المركَّبة 63
مراجعةٌ عامَّةٌ للحركات 66
الدَّرس الثّلاثون - الحركات 71
الدَّرس الحادي والثّلاثون - السُّكون والمدود والشَّدَّة 82
الدَّرس الثّاني والثّلاثون - التَّاء آخر الكلمة والألف المقصورة 88
الدَّرس الثّالث والثّلاثون - الحروف الشَّمسيَّة والقمريَّة 90
الدَّرس الرَّابع والثّلاثون - الأرقام 92
الدَّرس الخامس والثّلاثون - الأيَّام والشُّهور 95
الدَّرس السَّادس والثّلاثون - علامات التَّرقيم 98
الدَّرس السَّابع والثّلاثون - الإشارة بهذا وهذه 100
الدَّرس الثّامن والثّلاثون - الإشارة بذلك وتلك 104
الدَّرس التَّاسع والثّلاثون - الأشخاص 107
الفهرس 110